वर्ष : 18 ❖ अंक : 11 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शुक्रवार, 11 अगस्त 2023

गुड़ का गोबर कैसे करना है इसमें अधीर बाबू माहिर : पीएम मोदी 3

हंगामे के बीच चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का बिल राज्यसभा में पेश 8

छठा जनमुक्ति दिवस हर्षोल्लास के साथ मना

अगले चुनाव में सभी 32 सीटें जीतेगी एसकेएम : गोले

सीएम ने चुनाव से पहले 'एक परिवार एक नौकरी' वाले कर्मचारियों को स्थायी करने की घोषणा की

अनुगामिनी का.सं.

रंगपो, 10 अगस्त । राज्य की सत्ताधारी पार्टी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी के छठे जन उन्मुक्ति दिवस का आयोजन आज रंगपो खेल मैदान में भव्यता के साथ किया गया। सत्तारूढ़ पार्टी एसकेएम हर साल 10 अगस्त को जन उन्मुक्ति दिवस मनाती है। इस दिन मुख्यमंत्री प्रेम सिहं तमांग (गोले) एक वर्ष की सजा काटकर जेल से रिहा हुए थे।

आज छठे जन उन्मुलक्ति दिवस पर रंगपो खेल मैदान में एक सार्वजनिक सभा का आयोजन किया गया। यहां मुख्यमंत्री के साथ उनकी पत्नी श्रीमती कृष्णा राई, मंत्री, विधायक, भाजपा के 9 विधायक, पार्टी कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में एसकेएम समर्थक मौजूद थे। करीब 3 घंटे तक चले कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी अध्यक्ष व मुख्यमंत्री प्रेम सिहं तमांग (गोले) ने कहा कि आज न सिर्फ एसकेएम बल्कि पूरे सिक्किमी समुदाय के लिए ऐतिहासिक दिन है। 10 अगस्त किसी व्यक्ति की सुखद मुक्ति का दिन नहीं है, बल्कि वह दिन है जब सिक्किम की धरती पर मुक्ति का सूरज उगा था।

उन्होंने याद किया कि पूर्व तानाशाही सरकार के कारण उन्हें एक साल जेल में बिताना पड़ा था। उन्होंने याद किया कि 10 अगस्त, 2017 को उन्होंने यह सोचकर रोंगे सुधार गृह में प्रवेश किया था कि वह तानाशाहों के सामने घुटने टेकने के बजाय जेल जाएंगे और कहा कि उस दिन सभी सिक्किमवासी रोये थे। उन्होंने कहा कि वह जेल में रहने के लिए तैयार थे क्योंकि उस समय की सरकार ने उन्हें अस्वस्थ स्थिति में भी जेल में डालने की कोशिश की थी। सीएम गोले ने कहा कि भले ही मुझे जेल में रखा गया था लेकिन मुझे विश्वास था कि इस दौरान हजारों प्रेम सिहं तमांग (गोले) पैदा होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे पता था कि युवा भाई-बहनों ने क्रांति को हृदय से अपनाया है इसलिए मुझे जेल जाने में कोई भय महसूस नहीं हुआ । उन्होंने उस समय उनका साथ देने वाले सभी लोगों को याद करते हुए दिवंगत क्रांतिकारियों को नमन किया। उन्होंने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि रोंगे जेल मेरे लिए अभिशाप नहीं बल्कि वरदान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 अगस्त वह दिन है जब लोगों ने एकजुट होकर तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंकने का बिगुल फूंका था। आज वह दिन है जब सिक्किम के लोगों ने संकल्प लिया कि वे सिक्किम में तानाशाही सरकार नहीं लाएंगे। मुख्यमंत्री ने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि 10 अगस्त वह दिन है जब सिक्किम के लोग नई रोशनी महसूस करते हैं।

सीएम गोले ने घोषणा की कि एक परिवार एक नौकरी के माध्यम से नौकरी पाने वालों को चुनाव से पहले स्थायी कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री गोले ने यह भी घोषणा की कि तदर्थ आधार पर काम करने वालों को 8 साल के बजाय 5 साल में स्थायी किया जाएगा। एडहॉक और एमआर में काम करने वालों को 3 साल तक करियर बनाने का मौका मिलेगा, जिससे उन्हें 3 साल तक आधी सैलरी की छुट्टी मिलेगी और प्राथमिकता बरकरार रहेगी।

विपक्षी दलों द्वारा जन मुक्ति दिवस को अलग-अलग नाम देने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह दिन वास्तव में तानाशाहों और शोषकों के लिए काला दिन है। मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि जिन लोगों ने पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग के जन्मदिन को गरीबी उन्मूलन दिवस का नाम दिया, उन्हें जन मुक्ति दिवस के बारे में सिखाने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि 25 वर्षों तक गरीबी उन्मूलन दिवस मनाने वालों के शासन के बाद भी राज्य में आज भी झोपड़ियां हैं। हालांकि, 4 साल और 3 महीने के भीतर, सिक्किम का नक्शा बदलना शुरू हो गया है। उन्होंने दावा किया कि सरकार बनने के बाद से एसकेएम पार्टी ने गरीबों की सबसे अधिक सेवा की है।

इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि भले ही सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी की सरकार केवल 15 वर्षों तक चले, सिक्किम की सभी झोपड़ियों को इमारतों में बदल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि एसकेएम पार्टी की सरकार राज्य में कई वर्षों तक सत्ता में बनी रहेगी लेकिन कोई भी मुख्यमंत्री लगातार 10 वर्ष से अधिक इस पद पर नहीं रहेगा। इसके बाद उन्होंने जैकब खालिंग, विकास बस्नेत और अन्य युवा नेताओं मौका दिए जाने की बात कहते हुए कहा कि 10 वर्ष के बाद मुख्यमंत्री सलाहकार के रूप में काम करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री बनने के लिए नहीं बल्कि व्यवस्था बदलने के लिए क्रांति का बिगुल फूंका है।

सीएम गोले ने इसके साथ ही कहा कि जब संग्राम परिषद कमजोर थी तो मैंने पवन चामलिंग की तरह बगावत नहीं की। मैंने तब बगावत की जब 2009 में पवन चामलिंग ने 32 में से 32 सीटें जीत लीं। उस वक्त जनता के सहयोग से एसडीएफ सरकार को उखाड़ फेंकने में सफलता हासिल की। एसडीएफ, सीएपी के इस दावे के बारे में बोलते हुए कि एसकेएम 2024 में सत्ता में नहीं आएगी, उन्होंने कहा कि एसकेएम पार्टी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार 32 में से 32 सीटों पर रिकॉर्ड अंतर से जीत हासिल करेगी।

उन्होंने पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से किसी व्यक्ति विशेष को न देखकर टीम एसकेएम के रूप में काम करने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पिछली सरकार द्वारा टुकड़ों में बांटे गये सिक्किमी समाज में सांप्रदायिक सौहार्द का फूल खिलना शुरू हो गया है। यह एसकेएम पार्टी द्वारा किया गया बदलाव है। उन्होंने संदेह जताया कि अगर आज एसडीएफ पार्टी सत्ता में होती तो सिक्किम की स्थिति मणिपुर जैसी हो गयी होती। उन्होंने का कि पूर्व सरकार राजनीति को धर्म के साथ जोड़ती थी, एसकेएम पार्टी ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार हारे हुए विधानसभा क्षेत्रों को भी समान रूप से विकास के पथ पर आगे बढ़ा रही है। एसकेएम पार्टी सांप्रदायिक सौहार्द्र वाली पार्टी है।

यूनिवर्सल सिविल कोड (यूसीसी) के बारे में बोलते हुए, मुख्यमंत्री गोले ने स्पष्ट किया कि यह संविधान के विशेष प्रावधानों द्वारा संरक्षित राज्य में लागू नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सिक्किम में लागू नहीं है क्योंकि यह अनुच्छेद 371 एफ द्वारा संरक्षित है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार भूटिया, लेप्चा और लिम्बू भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की दिशा में पहल कर रही है। श्री गोले ने आरोप लगाया कि 25 साल पुरानी सरकार, जो भाषा और साहित्य की बात करती थी, ने 20 अगस्त को नेपाली भाषा मान्यता दिवस पर अवकाश घोषित नहीं किया गया। लेकिन मौजूदा सरकार ने ऐसा किया है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एसकेएम पार्टी ने हमेशा विदेशी के कलंक को मिटाने का काम किया है, जो अक्सर सिक्किमी नेपालियों पर लगाया जाता है। यह याद करते हुए कि पूर्व मुख्यमंत्री ने मासिक धर्म के संबंध में महिलाओं के बारे में अपमानजनक बयान दिए थे, एसकेएम सरकार ने आज बताया कि विभिन्न योजनाओं जैसे आमा योजना, बहिनी योजना, वात्सल्य योजना आदि के माध्यम से महिलाओं के विकास के लिए काम किया जा रहा है। मौजूदा सरकार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री गोले ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग के भाई हस्तबीर राई राज्य सरकार का 44 करोड़ रुपये का कर्ज नहीं चुकाने के बाद नेपाल भाग गए थे। वहीं, सीएम गोले ने मुख्यमंत्री के परिवार द्वारा ऑक्सीजन सख्लाई, फूल सख्लाई, भ्रष्टाचार के मामले में फंसे पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे विजय चामलिंग, लैपटॉप न बांटने जैसे घोटालों का खुलासा किया।

उन्होंने बताया कि तीस्ता एनर्जी में राज्य सरकार की हिस्सेदारी अभी भी 60.8 फीसदी है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने बताया कि तीस्ता फेज 5 का निर्माण कार्य 5 हजार 700 करोड़ रुपये से शुरू हुआ था, लेकिन 80 फीसदी निर्माण के बाद राज्य सरकार की हिस्सेदारी 26 फीसदी से 60.8 फीसदी हो गयी, जिसके बाद लागत 13 हजार 965 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। उन्होंने बताया कि पूर्व सरकार ने तीस्ता एनर्जी को ऐसी स्थिति में छोड़ दिया, जहां कर्ज चुकाना मुश्किल हो गया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री गोले ने बताया कि पिछली सरकार के कार्यकाल में अन्य कंपनियों की जमा राशि का 10,000 करोड़ का भार राज्य सरकार ने उठाया था, लेकिन अब वर्तमान सरकार के कार्यकाल में इसे वापस कर दिया गया है।

पत्रकारिता का अध्याय समाप्त करने के बाद अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करने वाले सिक्किम क्रॉनिकल्स के सह-संस्थापक युगेन तमांग ने पत्रकारिता से प्राप्त अनुभव के माध्यम से एसकेएम पार्टी के माध्यम से राज्य निर्माण में योगदान देने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। पार्टी में शामिल होने की शर्तों का खुलासा करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि एसकेएम राज्य की दबी हुई आवाज को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने के संकल्प के साथ पार्टी में शामिल हुए हैं। उन्होंने राज्य के युवाओं से राजनीति में प्रवेश करते समय न केवल नेता का बल्कि अपना दृष्टिकोण भी लाने का आह्वान किया। उन्होंने एसकेएम पार्टी में शामिल होकर राज्य के युवाओं की आवाज बनने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने राजनीतिक रूप से जागरूक युवाओं से राजनीति में आने का आह्वान किया

■ शेष पृष्ठ ०२ पर

पदम गुरुंग को न्याय दिलाने के लिए सरकार बड़ी जांच को भी तैयार : गोले

'विपक्ष पर लगाया शव पर राजनीति करने का आरोप'

अनुगामिनी का.सं.

रंगपो, 10 अगस्त । मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने कहा कि राज्य में 25 वर्षों तक शासन कर चुकी एक पार्टी तथा उसके साथ हाल ही में बनी नई-नई पार्टियों के नेता आज शव पर भी राजनीति करते हुए अपनी राजनीति रोटी सेंकने पर आमदा हैं। उन्होंने इन पार्टियों के पास अन्य कोई मुद्दा नहीं होने की बात कहते हुए पिछली सरकार के शासनकाल में हुई हत्याओं एवं अन्य अपराधों को लेकर एसडीएफ पर जम कर बरसे।

आज रंगपो में एसकेएम के छठे जन उनमुक्ति दिवस समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री गोले ने हाल ही में नामची कॉलेज छात्र प्रतिनिधि परिषद के अध्यक्ष पदम गुरुंग की मौत पर अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने मामले को लेकर विपक्षी दलों पर राजनीतिक रोटी सेंकने का आरोप लगाते हुए कहा कि 25 साल पुरानी एक पार्टी और कई अन्य नई पार्टियां आज पदम गुरुंग के शव पर राजनीति कर रही हैं। उन्होंने इस मामले की न्यायिक जांच कराए जाने का जिक्र करते हुए स्पष्ट किया कि एसकेएम सरकार इसे लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा कि यदि पदम गुरूंग की सचमुच हत्या हुई है, तो अपराधी पकड़े जाने चाहिए और इसमें जो कोई भी शामिल है, उसे हर कीमत पर सजा मिलेगी।

गौरतलब है कि विगत 28 जून की उक्त घटना के बाद राज्य सरकार ने इस मामले में विशेष पुलिस महानिदेशक अक्षय सचदेवा के नेतृत्व में जांच शुरू की और फिलहाल इस मामले की न्यायिक जांच चल रही है। इस बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य सिर्फ गिरफ्तारी करना नहीं है, बल्कि दोषियों को ठोस सबूत के साथ पकड़ कर अदालत के माध्यम से सजा दिलाना है। उन्होंने सवाल खड़ा करते हुए कहा, अगर किसी को बिना पुख्ता सबूत के गिरफ्तार कर लिया जाए और कल वह सबूत के अभाव में छूट जाए तो क्या पदम गुरुंग को न्याय मिलेगा? लेकिन यह खेदजनक है कि विपक्षी पार्टियों के लोग शव पर राजनीति कर रहे हैं क्योंकि उनके पास कोई मुद्दा नहीं है।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने नंदलाल शर्मा हत्याकांड का जिक्र करते हुए पूछा कि उनकी हत्या किसके शासनकाल में हुई? उन्होंने यह भी याद दिलाया कि नंदलाल शर्मा को पानी की जगह पेशाब पिलाई गई थी। उस मामले के आरोपी को पिछली सरकार में दिखावे के लिए गिरफ्तार करने के बाद दो-चार दिनों तक जेल में रखने के बाद रिहा कर दिया गया और साथ ही कई बार चेयरमैन भी बनाया गया था। इसी प्रकार उन्होंने एसडीएफ पार्टी से यह भी पूछा कि सिंगताम-खाम्दोंग निवासी एसएस ढकाल किसकी सरकार के दौरान गायब हो गए? मल्ली निवासी तारामन छेत्री, दरमदीन निवासी महेश सुब्बा, सोरेंग मांगसारी निवासी सीबी चौहान और श्रीबादम निवासी एनके गुरुंग की हत्याएं किसकी सरकार में हुईं? किसके शासनकाल में पत्रकारों पर दिनदहाड़े हमला हुआ। उन्होंने सवाल उठाया कि मामूली रूप से घायल एनके गुरुंग को सिलीगुड़ी में डॉक्टरों ने तड़के 3 बजे मृत होने की घोषणा की और उसके बाद ही सबेरे 5 बजे तक उनकी मृत्यु के पोस्टर सिक्किम में सभी स्थानों पर लग गए, यह कैसे संभव हुआ?

इसके साथ ही मुख्यमंत्री गोले ने सीएपी नेता गणेश राई और एचएसपी नेता भाइचुंग भूटिया को ऐसी षडयंत्रकारी हत्याओं पर सवाल उठाने की चुनौती दी। उन्होंने कहा, पिछली सरकार में इतना सब कुछ होने के बावजूद हमारी सोच इतनी संकीर्ण नहीं है। मौजूदा एसकेएम सरकार ने पदम गुरुंग की मौत की न्यायिक जांच शुरू कर दी है।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि पदम गुरुंग की मौत मामले में किसी के पास कोई साक्ष्य है तो उसे न्यायमूर्ति एनके जैन के समक्ष प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होंने मौजूदा माहौल के लिए गुरुंग समुदाय नहीं, बल्कि विपक्षी पार्टियों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि अगर इससे मामला नहीं सुलझता है तो राज्य सरकार बड़ी जांच के लिए भी तैयार है।

जैकब खालिंग ने सीएम गोले की महात्मा गांधी से की तुलना

अनुगामिनी का.सं.

रंगपो, 10 अगस्त । भारतीय स्वाधीनता संग्राम में जितना महत्व 6 मई का है, सिक्किम के इतिहास में उतना ही महत्व 10 अगस्त का है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने देश को स्वतंत्रता दिलाने के लिए 1942 में शुरू किए गए भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जेल जाने के बाद 6 मई 1944 को रिहा हुए थे। इसी प्रकार, सिक्किम के वर्तमान मुख्यमंत्री पीएस गोले ने राज्य की तत्कालीन तानाशाह और क्रूर शासन के खिलाफ आवाज उठाने के लिए जेल जाने से भी संकोच नहीं किया और एक साल जेल में बिताने के बाद 10 अगस्त 2018 को रिहा हुए।

आज रंगपो में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी के छठे जन उन्मुक्ति दिवस समारोह को सम्बोधित करते हुए सिक्किम के मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग ने यह विचार व्यक्त किये। वहीं, उन्होंने सिक्किमवासियों की आजादी के संघर्ष के दिन 10 अगस्त को काला दिवस कहने वालों की तीखी आलोचना करते हुए उन लोगों पर कटाक्ष किया जिन्होंने हमेशा सिक्किम में लोकतंत्र को कैद किया है।

जैकब खालिंग ने कहा, भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास में 6 मई का विशेष महत्व है और सिक्किम के इतिहास में 10 अगस्त का भी विशेष महत्व है। महात्मा गांधी ने देश को स्वतंत्र कराने के लिए अपना जीवन जेल में बिताया, जबकि सिक्किम के क्रूर शासन के खिलाफ तथा जन उन्मुक्ति हेतु आवाज उठाते हुए हमारे मुख्यमंत्री ने अपना जीवन जेल में बिताया। उन्होंने कहा कि आज छठे जन उन्मुक्ति दिवस के अवसर पर रंगपो में उपस्थित लाखों लोग सिक्किम के साढ़े 6 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। ऐसे में राज्यवासियों की मुक्ति के लिए एसकेएम पार्टी अध्यक्ष व मुख्यमंत्री पीएस गोले के समर्पण और दृढ़ संकल्प के आगे प्रकृति भी झुक गई है और आज धूप निकली है।

वहीं, एसकेएम प्रवक्ता ने पार्टी अध्यक्ष और

कहा- महात्मा गांधी व पीएस गोले ने क्रूर शासन के खिलाफ जेल जाने से भी नहीं किया संकोच

मुख्यमंत्री पीएस गोले के पिछली सरकार के दौरान 15 वर्षों तक विधायक रहने के दिनों को याद करते हुए आगे कहा कि उस दौरान भी वह हमेशा लोगों के कल्याण के लिए काम करते रहे थे। उन्होंने विधायक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान वर्तमान मुख्यमंत्री द्वारा गरीब छात्रों को पढ़ाने, मरीजों एवं पीड़ितों की निरंतर सहायता करने का भी जिक्र करते हुए पीएस गोले को एक जनकल्याणकारी नेता बताया।

जैकब खालिंग ने कहा, मुख्यमंत्री पीएस गोले के जनहितकारी कार्यों की बदौलत ही 2009 में पार्टी को सभी 32 सीटों पर जीत मिली थी। उन्होंने एसडीएफ पार्टी द्वारा 1994 में 19 सीटें जीत कर 25 वर्षों तक राज्य की बागडोर संभालने का जिक्र करते हुए कहा कि एसकेएम पार्टी ने 2019 में 17 सीटें जीतीं और दो

■ शेष पृष्ठ ०२ पर

'फर्जी हस्ताक्षर' ममाले में राघव चड्ढा बोले- बीजेपी मंरी संसद सदस्यता खत्म कराने की साजिश रच रही

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेन्सी)। 'फर्जी हस्ताक्षर' को लेकर विवादों में आए आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की है।

आम आदमी पार्टी (आप) ने आरोप लगाया है कि बीजेपी ने राहुल गांधी के बाद अब आप के सांसद राघव चड्ढा की संसद सदस्यता खत्म कराने की साजिश रची है।

'दिल्ली सेवा विधेयक को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में 'सियासी दंगल' जारी है। दोनों सदनों से बिल पास होने के बाद भारतीय जनता पार्टी अब आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा पर दिल्ली सेवा बिल के लिए प्रस्ताव में 'फर्जी हस्ताक्षर' का आरोप लगा रही है।

आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने गुरूवार को दिल्ली सेवा विधेयक से संबंधित एक प्रस्ताव में पांच सांसदों के फर्जी हस्ताक्षर करने का आरोप लगाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर निशाना साधा और कहा कि वह उनकी आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है।

चार सांसदों ने चड्ढा पर नियमों का उल्लंघन कर उनकी सहमति के बिना चयन समिति के गठन के लिए उनका नाम प्रस्तावित करने का आरोप लगाया है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने उन सांसदों की शिकायतों का संदर्भ देते हुए मामले की जांच के लिए इसे विशेषाधिकार समिति को भेज दिया। इस घटनाक्रम के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में आप नेता ने कहा कि वह इस मामले पर समिति और अदालत का रुख करेंगे।

उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में यह भी कहा कि यह गलत प्रचार किया जा रहा है कि राज्यसभा में चयन समिति के सदस्यों के नामांकन के लिए हस्ताक्षर और लिखित सहमति की आवश्यकता होती है।

चड्ढा ने कहा, मैं भाजपा के उन लोकसभा सदस्यों के खिलाफ विशेषाधिकार समिति और अदालत का दरवाजा खटखटाऊंगा जिन्होंने मेरे खिलाफ जालसाजी का झूठा आरोप लगाया है।

आप नेता ने कहा, जब भी विशेषाधिकार समिति किसी के खिलाफ कार्रवाई शुरू करती है, तो उक्त व्यक्ति सार्वजनिक बयान नहीं देता। लेकिन मजबूरी के कारण मुझे बोलना पड़ रहा है। मैं माननीय सभापति या विशेषाधिकार समिति के खिलाफ नहीं बोलूंगा।

चड्ढा ने कहा, मैं भाजपा को चुनौती देता हूं कि वह उन दस्तावेजों को दिखाए जिनमें जाली हस्ताक्षर हैं, जैसा कि उन्होंने आरोप लगाया है। मेरे खिलाफ शिकायतों पर संसदीय बुलेटिन में जालसाजी, जाली हस्ताक्षर का कोई जिक्र नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा उनकी आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है।

राज्यसभा के एक बुलेटिन में कहा गया है कि सभापति को उच्च सदन के सदस्य सस्मित पात्रा, एस फांगनोन कोन्याक, एम थंबीदुरई और नरहरि अमीन से शिकायतें मिली हैं, जिन्होंने चड्ढा पर विशेषाधिकार हनन का आरोप लगाया है और अपनी शिकायत में सात अगस्त को एक प्रस्ताव में प्रक्रिया एवं नियमों का उल्लंघन करते हुए उनकी सहमति के बिना उनके नाम शामिल किए जाने का जिक्र किया है।

चड्ढा ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 पर विचार करने के लिए एक चयन समिति के गठन का प्रस्ताव रखा था और इसमें चार सांसदों के नाम शामिल किए थे।

बता दें कि इस विधेयक के ज़रिए मोदी सरकार उस अध्यादेश को क़ानून बना रही है, जिसमें दिल्ली के उपराज्यपाल के पास दिल्ली में अधिकारियों की पोस्टिंग या ट्रांसफ़र का आख़िरी अधिकार होगा।

इससे पहले राज्यसभा में जब दिल्ली संबंधी बिल पर वोटिंग होने जा रही थी, तब कई सांसदों ने बिल को सदन की प्रवर समिति को भेजने की मांग की थी। इसका प्रस्ताव राघव चड्ढा ने भी दिया था। राघव चड्ढा ने समिति में जिन सांसदों का नाम रखा था, उनमें से पांच ने आरोप लगाया था कि राघव चड्ढा ने बगैर उनकी सहमति से नाम दिया है।

जिन पांच सांसदों ने ये दावा किया गया है कि प्रस्ताव पर उनके हस्ताक्षर फ़र्ज़ी थे उनमें बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी, नरहरि अमीन, पी कोन्याक, बीजेडी सांसद सस्मित पात्रा और एआईडीएमके सांसद थम्बी दुरई का नाम शामिल है।

उन्होंने विशेषाधिकार हनन की शिकायत सभापति से की थी। जिस पर सभापति ने पूरे मामले को विशेषाधिकार समिति को भेजा था।

चुनाव आयुक्त को पीएम के हाथों की 'कठपुतली' बनाने का जबरदस्त प्रयास : के.सी. वेणुगोपाल

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेन्सी)। कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (सेवा की नियुक्ति शर्तें और कार्यालय की अवधि) विधेयक, 2023 पर केंद्र का जोर है, जो भारत के मुख्य न्यायाधीश को नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर कर देगा। यह निर्वाचन आयोग को पूरी तरह से प्रधानमंत्री के हाथों की कठपुतली बनाने का एक ज़बरदस्त प्रयास है।

केंद्र पर निशाना साधते हुए कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने एक्स (अब ट्विटर) पर पोस्ट किया, 'चुनाव आयोग को प्रधानमंत्री के हाथों की कठपुतली बनाने का ज़बरदस्त प्रयास। सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा फैसले का क्या जिसमें एक निष्पक्ष पैनल की बात कही गई है?'

'प्रधानमंत्री को पक्षपाती चुनाव आयुक्त नियुक्त करने की आवश्यकता क्यों महसूस होती है? यह एक असंवैधानिक, मनमाना और अनुचित विधेयक है - हम हर मंच पर इसका विरोध करेंगे।'

केंद्र पर कटाक्ष करते हुए, कांग्रेस के लोकसभा सांसद मनिकम टैगोर ने एक ट्वीट में कहा, '(प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी और (केंद्रीय गृह मंत्री अमित) शाह ईसीआई को नियंत्रित करना चाहते हैं जैसा कि वे अब कर रहे हैं। सभी लोकतांत्रिक ताकतों को इसका विरोध करना चाहिए। क्या बीजद और वाईएसआरसीपी ऐसा करेंगे?'

राज्यसभा में गुरुवार को विधेयक पेश होने की संभावना के बीच कांग्रेस की ओर से ये प्रतिक्रियाएं आई हैं।

कानून में प्रस्ताव है कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और

अन्य चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के पैनल की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी।

चयन समिति की अध्यक्षता प्रधानमंत्री करेंगे, जिसमें एलओपी और प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त केंद्रीय कैबिनेट मंत्री सदस्य होंगे।

हरियाणा में भड़के हिंसा के बाद श्रमिकों का पलायन, गुरुग्राम में गहराया संकट

गुरुग्राम, 10 अगस्त (एजेन्सी)। हरियाणा के गुरुग्राम और पड़ोसी नूंह जिले में हाल ही में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के कारण शहर से बड़े पैमाने पर श्रमिकों का पलायन हुआ है। इन कर्मचारियों में पार्किंग अटेंडेंट, कैब ड्राइवर, ऑफिस के चपरासी और सुरक्षा कर्मचारी शामिल हैं।

पलायन ने गुरुग्राम के सेवा क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित किया है। हिंदू संगठनों की धमकियों के बाद अधिकांश नौकरानियां, घरेलू सहायक, रसोइयां, कार साफ करने वाले, सब्जी-फल विक्रेता और कैब ड्राइवर भी दहशत में हैं, इसके बाद के प्रभाव दिखाई दे रहे हैं।

कुछ समूहों से आए धमकी भरे कॉल ने डर को और बढ़ा दिया है। पलायन शहर के निवासियों पर भारी पड़ रहा है, क्योंकि नौकरानियां और अन्य घरेलू सहायक शहर छोड़कर अपने मूल स्थानों के लिए चले गए हैं।

गोल्फ कोर्स रोड के अनुज मदान ने कहा,'प्रशासन कह रहा है कि स्थिति सामान्य है और कोई पलायन नहीं हो रहा है, लेकिन जब हम बाहर गए, तो सड़कों पर कैब और ऑटो की संख्या कम थी। जो उपलब्ध हैं, वे सवारी के लिए दोगुना किराया ले रहे हैं। नौकरानियों ने डर के कारण अपनी नौकरी छोड़ दी है।'

इस बीच, पुराने गुरुग्राम में नौकरानियों ने दो घंटे के घरेलू काम के लिए अपनी सेवा राशि भी 3,000 रुपये से बढ़ाकर 7,000 रुपये कर दी है।

इसके अलावा, 24 घंटे की नौकरानी सेवाओं की कीमतें दोगुनी हो गई हैं और अब न्यूनतम 30 हजार रुपये चार्ज किए जा रहे हैं।

मामले की संवेदनशीलता का हवाला देते हुए नाम न छापने की शर्त पर शहर स्थित एक मॉल के महाप्रबंधक ने कहा, 'गुरुग्राम में हिंसा के बाद सेल्समैन, चपरासी और पार्किंग अटेंडेंट, सुरक्षा कर्मचारी रिपोर्ट नहीं कर रहे हैं। स्थिति अब गंभीर है। हम जनशक्ति सेवा के लिए दूसरी एजेंसी को दोगुना भुगतान कर रहे हैं।'

झड़पों के बाद निर्माण क्षेत्र को भारी निर्माण श्रमिकों की कमी का सामना करना पड़ा है।

शहर स्थित रियाल्टार रमेश छाबरा ने कहा, 'परियोजनाओं को झटका लगा है, क्योंकि कई श्रमिक शहर छोड़कर भाग गए हैं और अन्य लोग काम पर जाने से डर रहे हैं। इस समस्या के कारण निश्चित रूप से परियोजनाओं के पूरा होने में देरी होगी। श्रमिक अब डरे हुए हैं, उन्हें कार्यस्थल पर लौटने में समय लगेगा।'

गुरुग्राम हिंसा : पुलिस की कार्रवाई जारी, 37 एफआईआर दर्ज और 79 गिरफ्तार

गुरुग्राम, 10 अगस्त (एजेन्सी)। हरियाणा के नूंह जिले से गुरुग्राम में फैली हिंसा के संबंध में पुलिस ने लगभग 37 एफआईआर दर्ज की हैं और 79 लोगों की गिरफ्तार किया है।

गुरुग्राम की पुलिस आयुक्त कला रामचंद्रन ने गुरुवार को यह जानकारी दी। नूंह दंगे के गुरुग्राम तक फैलने के एक हफ्ते बाद जिले में स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए गुरुग्राम में पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

रामचंद्रन ने गुरुग्राम में दर्ज मामलों की जानकारी देते हुए कहा कि हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई जारी है। अब तक 37 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 79 को गुरुग्राम पुलिस की विभिन्न टीमों ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस आयुक्त कला रामचंद्रन ने कहा कि 93 लोगों के खिलाफ निवारक कार्रवाई की गई, जिनमें से 80 को जमानत पर रिहा कर दिया गया। सोहना इलाके से भी 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया और नफरत फैलाने वाले भाषण से संबंधित दो एफआईआर भी दर्ज की गईं।

यह भी बताया कि नूंह दंगों में घायल हुए गुरुग्राम पुलिस के छह अधिकारियों में से दो का अभी भी एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इसके अलावा, सांप्रदायिक झड़पों की गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए, सेक्टर-57 के इमाम मोहम्मद साद हत्या मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। ज्ञात हो कि 31 जुलाई को नूंह में एक जुलूस के दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसके बाद जिले में कर्फ्यू लगा दिया गया था। नूंह में इंटरनेट सेवाएं अभी भी बंद हैं।

पुलिस आयुक्त ने आगे कहा कि गुरुग्राम में पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया है और पुलिस को प्रशासन के आदेशों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति से सख्ती से निपटने का निर्देश दिया गया है। फरार लोगों की गिरफ्तारी के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस आयुक्त कला रामचंद्रन ने कहा कि नूंह हिंसा और गुरुग्राम तक फैली झड़पों में दो होम गार्ड और एक मौलवी सहित सात लोगों की मौत हो गई थी। हमने जनता से नूंह झड़पों के बीच गैरकानूनी गतिविधियों और नफरत भरे भाषण में शामिल नहीं होने की अपील की है। गलत गतिविधियों में शामिल पाए जाने वालों को कड़ी सजा दी जाएगी।

संयुक्त निरीक्षण दल ने स्वच्छता व खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की

अनुगामिनी नि.सं.

नामची, 10 अगस्त । नामची बाजार एवं इसके आस-पास के स्थानों में साफ-सफाई तथा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच हेतु आज एक संयुक्त निरीक्षण दल द्वारा व्यापक सर्वेक्षण किया गया। इस अभियान में नामची एमईओ देशपंथ लामा, डीसीएसओ तेनजिन भूटिया, एफएसओ डॉ गोपाल छेत्री के साथ पुलिस कर्मी और नामची नगर परिषद और खाद्य व नागरिक आपूर्ति विभाग के कर्मचारी शामिल रहे।

जानकारी के अनुसार, इस निरीक्षण के दौरान स्वच्छता के सुरक्षा मानकों की जांच करने और मानव उपभोग के लिए सुरक्षित और पौष्टिक भोजन की उपलब्धता को पूरा करते हुए रेस्तराओं में उपयोग किए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की जांच की गई।

इस दौरान, निरीक्षण दल ने फास्ट फूड व्यवसाय के लिए संबंधित प्राधिकारी द्वारा जारी किये जाने वाले ट्रेड एवं खाद्य लाइसेंसों की भी जांच की। इसके अलावा, निरीक्षण में उपस्थित अधिकारियों ने खाद्य व्यवसाय संचालकों द्वारा अपनी रसोई में वाणिज्यिक सिलेंडरों के उपयोग की भी जांच की और नियमों और दिशानिर्देशों का पालन नहीं करने वालों को नोटिस जारी किए गए।

पीएम मोदी की एनडीए सांसदों को दो टूक, कहा- विधानसभा चुनाव जिताना सांसदों की भी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए सांसदों के साथ अपने संवाद की मुहिम के तहत बुधवार को मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ से जुड़े लोकसभा और राज्यसभा के 46 एनडीए सांसदों के साथ आखिरी बैठक कर 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव और दोनों राज्यों में इस वर्ष के अंत तक होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की।

सूत्रों के मुताबिक, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़- दोनों राज्यों में इस वर्ष के अंत तक होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने दो टूक कहा कि विधानसभा चुनाव जिताना सांसदों की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने दोनों राज्यों के सांसदों को विधानसभा चुनाव में जुटने की नसीहत देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में सांसदों की भी जवाबदेही तय होगी। कोई भी सासंद यह सोचकर निश्चिन्त न बैठ जाएं कि यह विधानसभा चुनाव है और इससे उनका क्या लेना-देना है?

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि अपने-अपने संसदीय क्षेत्र में आने वाली विधानसभाओं में पार्टी को जीत दिलाने के लिए सभी सांसदों को जुट जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजों का असर लोकसभा टिकट पर भी पड़ेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों को सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं का अपने-अपने संसदीय क्षेत्र में घर-घर जाकर प्रचार-प्रसार करने की हिदायत देते हुए जनता के बीच जाकर विपक्षी गठबंधन को बेनकाब करने को भी कहा। इसके साथ ही

प्रधानमंत्री ने विपक्षी गठबंधन के लिए एक बार फिर 'घमंडिया' गठबंधन शब्द का प्रयोग करते हुए सांसदों को जनता के बीच जाकर यह बताने को कहा कि किस तरह से यह घमंडिया गठबंधन देश की संसद को नहीं चलने दे रहा है और इसकी वजह से देश का कितना पैसा बर्बाद हो रहा है।

उन्होंने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के साथ-साथ आगामी लोकसभा चुनाव में भी जीतने का दावा किया। बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत मोदी सरकार के कई अन्य मंत्री और दोनों राज्यों से जुड़े एनडीए सांसद मौजूद रहे। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में मिलेट्स से बने व्यंजनों और ग्वालियर के मशहूर लड्डू की व्यवस्था की गई थी।

बाल अधिकार और करियर परामर्श को लेकर कार्यक्रम आयोजित

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 10 अगस्त । किशोर न्याय संशोधन अधिनियम 2021, बाल अधिकार और करियर परामर्श को लेकर जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा बुधवार को रेशी गवर्नमेंट सेकेंडरी स्कूल में एक आउटरीच परामर्श सह जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्कूल की प्रधानाध्यापिका श्रीमती उपासना गुरुंग की अध्यक्षता में इस कार्यक्रम में ने जिला बाल कल्याण समिति के सदस्य योगेश निरोला, सामाजिक कार्यकर्ता निशा सुब्बा के अलावा शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों की उपस्थिति रही।

इस अवसर पर निशा सुब्बा ने स्वागत भाषण में महिला व बाल विकास विभाग के अंतर्गत बाल संरक्षण सेवा (योजना) में बच्चों से संबंधित विभिन्न सेवाओं पर प्रकाश डाला। वहीं, जिला बाल कल्याण समिति सदस्य योगेश नेरोला ने किशोर न्याय (देखभाल और संरक्षण) संशोधन अधिनियम 2021, बाल अधिकार और करियर परामर्श पर वक्तव्य रखा।

इसके अलावा, सामाजिक कार्यकर्ता रिबेना छेत्री ने पोक्सो संशोधन अधिनियम 2019, बाल अधिकार, बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 पर बात करते हुए स्कूल में दुर्व्यवहार और तस्करी के खिलाफ छात्र क्लब बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि, बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करना, बाल दुर्व्यहवार और तस्करी के गंभीर मामलों से निपटना ही इस क्लब का मुख्य उद्देश्य है जो छात्रों को इनके खिलाफ लडने हेतु संगठित करता है। इसी कड़ी में स्कूल में एसएएटी क्लब का गठन भी किया गया, जिसकी देखरेख गेजिंग-सोरेंग डीसीपीयू के समन्वय से प्रधानाध्यापिका द्वारा की गई।

लखनऊ से वाराणसी के बीच पहली उड़ान सेवा का योगी ने किया उद्घाटन

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेन्सी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लखनऊ से वाराणसी के लिए पहली उड़ान सेवा का उद्घाटन किया।

इंडिगो एयरलाइन्स की फ्लाइट से मात्र 55 मिनट में वाराणसी और लखनऊ के बीच के सफर को पूरा किया जा सकेगा।

चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की राजधानी को देश की आध्यात्मिक राजधानी से जोड़ने का प्रयास सराहनीय है, आज इसकी बहुत आवश्यकता थी। ये सेवा प्रधानमंत्री के उड़ान योजना के उस संकल्प को पूरा करगी, जिसमें उन्होंने कहा था कि हवाई चप्पल पहनने वाला आम आदमी भी हवाई यात्रा कर सके।

मुख्यमंत्री ने भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय और इंडिगो एयरलाइन्स को प्रदेश की जनता की ओर से धन्यवाद देते हुए कहा, वाराणसी के उद्यमियों, व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्ध समाज और विश्वनाथ धाम में दर्शन करने वालों की मांग आज पूरी हो रही है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में वाराणसी ने आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और भौतिक विकास के क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। उन्हें देखते हुए वाराणसी का लखनऊ से जुड़ना बहुत जरूरी था।

वाराणसी एयरपोर्ट पर 2016-17 में एक वर्ष में केवल 19 लाख पैसेंजर होते थे, मगर आज 2022-23 में यह संख्या बढ़कर 25 लाख से अधिक हो गई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में पिछले 6 साल में वायुसेवा का तीव्र गति से विस्तार हुआ है। यूपी में 2017 में पहले केवल दो क्रियाशील एयरपोर्ट वाराणसी और लखनऊ थे। वर्तमान में प्रदेश में 9 एयरपोर्ट पूरी तरह से क्रियाशील हो चुके हैं।

साथ ही 12 एयरपोर्ट को प्रदेश सरकार तेज गति से तैयार कर रही है, जिसमें से दो इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी हैं। इसमें अयोध्या एयरपोर्ट को दिसंबर में पूरी तरह से क्रियाशील कर दिया जाएगा।

इसी प्रकार एशिया के सबसे बड़े जेवर एयरपोर्ट के पहले रनवे को भी इस वर्ष के अंत तक तैयार कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि डॉमेस्टिक एयरपोर्ट के बारे में पहले कोई सोचता भी नहीं था, लेकिन आज आजमगढ़, श्रावस्ती, चित्रकूट, अलीगढ़, मुरादाबाद, सहारनपुर को भी वायुसेवा के साथ जोड़ने का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि आज स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का दौर है। वायुसेवा में सुरक्षा, समयबद्धता का ध्यान रखना विशेष तौर पर जरूरी है। जल्द 2000 नये एयरक्राफ्ट भारतीय बाजार में आने वाले हैं, जो लोगों की महात्वाकांक्षा की उड़ान को नयी ऊंचाई प्रदान करेंगे।

लखनऊ से वाराणसी की दूरी भले ही 300 किमी की हो, मगर इस वायुसेवा की नितांत आवश्यक्ता थी। हमें वाराणसी के महत्व को समझना होगा। आज पहली उड़ान सेवा के साथ वाराणसी के सभी विधायक बनारस जा रहे हैं और इसी के साथ वापस भी लौटेंगे।

मुख्यमंत्री ने लखनऊ से वाराणसी की पहली उड़ान सेवा की पहली महिला यात्री को टिकट प्रदान

करते हुए सभी मुसाफिरों को सुखद यात्रा की शुभकामनाएं भी दीं।

लखनऊ से वाराणसी की इंडिगो उड़ान सेवा को फिलहाल हफ्ते में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार के लिए शुरू किया गया है। लखनऊ से वाराणसी के लिए इंडिगा फ्लाइट संख्या सीई-7319 दोपहर 2.20 बजे चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरेगी, जो 1 घंटे 10 मिनट की यात्रा के बाद 3.30 पर वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचेगी।

इसी प्रकार मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को ही वाराणसी एयरपोर्ट से इंडिगो फ्लाइट संख्या सीई-7321 शाम 4.05 बजे उड़ान भरेगी, जो 55 मिनट बाद लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेगी।

जैकब खालिंग ने ....

विधायकों की मदद से सरकार बनाई। अब जनता के निरंतर सहयोग से वे 25 नहीं बल्कि 35 वर्षों तक सत्ता में रहने वाले हैं। उनके अनुसार, मुख्यमंत्री गोले के नेतृत्व में एसकेएम द्वारा अभी राज्य में ढेरों विकास कार्य करना बाकी है। उन्होंने यह भी कहा कि जब एसकेएम पार्टी का गठन हुआ था तो दो ही मुख्य उद्देश्य थे, एक हिटलर जैसे तानाशाह पवन चामलिंग को उखाड़ फेंकना और दूसरा पीएस गोले को मुख्यमंत्री बनाना।

अगले चुनाव में .....

सिटीजन एक्शन पार्टी के प्रवक्ता के पद से इस्तीफा देने के बाद एसडीएफ पार्टी में शामिल होने वाले जोयल गुरुंग ने भी अपने विचार रखे। आज के कार्यक्रम में सैकड़ों लोग एसडीएफ, सीएपी के साथ-साथ अन्य पार्टियों को छोड़कर राज्य की सत्ताधारी पार्टी एसकेएम में शामिल हुए। इसमें सीएपी के पूर्व प्रवक्ता जोयल गुरुंग, एसडीएफ के प्रभारी जिला उपाध्यक्ष अमर सिंह गुरुंग, सुषमा प्रोडक्शंस की स्वामी सुषमा गुरुंग, डीबी बस्नेत, वरिष्ठ पत्रकार युगेन तमांग, फिटनेस आइकॉन संजय बुढ़ाथोकी समेत अन्य ने मुख्यमंत्री के हाथों पार्टी का झंडा स्वीकार किया।

अश्विास प्रस्ताव हमारे लिए भाग्यशाली, यह विपक्ष के लिए शक्ति परीक्षण है : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को लोकसभा में कहा कि अविश्वास प्रस्ताव भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र के लिए भाग्यशाली है, क्योंकि शक्ति परीक्षण एनडीए के लिए नहीं, बल्कि विपक्ष के लिए है, जिसने संसद में अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है।

अविश्वास प्रस्ताव पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कई सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए हैं और 'मैंने भी कुछ सदस्यों के भाषण सुने हैं'। यह कहते हुए कि देश के लोगों ने कई बार एनडीए सरकार पर अपना भरोसा दिखाया है।

पीएम मोदी ने कहा, 'मैं यहां भारत के लोगों के प्रति अपना आभार व्यक्त करने के लिए हूं।'

प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि भगवान दयालु हैं और अगर वह ठान लेते हैं तो किसी भी माध्यम से लोगों की इच्छा पूरी करते हैं।

उन्होंने कहा, 'और मैं इसे आशीर्वाद मानता हूं कि भगवान ने विपक्ष को सुझाव दिया और वे (अविश्वास) प्रस्ताव लेकर आए।'

उन्होंने कहा, '2018 में भी जब विपक्ष के सदस्य अविश्वास प्रस्ताव लाए थे तो यह भगवान की इच्छा थी और तब भी मैंने कहा था कि यह हमारी सरकार का शक्ति परीक्षण नहीं है, बल्कि यह उनका (विपक्ष का) शक्ति परीक्षण है।'

पीएम मोदी ने कहा, 'और जब वोटिंग हुई तो भी यही हुआ। वोटों की संख्या उन वोटों को नियंत्रित नहीं कर सकी जो उन्हें पहले मिले थे। इतना ही नहीं, जब हम जनता के पास गए तो लोगों ने विपक्ष के लिए अविश्वास की घोषणा कर दी और चुनाव में एनडीए के साथ-साथ भाजपा को भी ज्यादा वोट मिले। इसका मतलब है कि अविश्वास प्रस्ताव हमारे लिए भाग्यशाली है।'

उन्होंने कहा, 'मैं देख सकता हूं कि आपने तय कर लिया है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में एनडीए और भाजपा अधिक बहुमत के साथ पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ देंगे।'

अविश्वास प्रस्ताव विपक्षी भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) की ओर से कांग्रेस द्वारा लाया गया है। मंगलवार को इस बहस की शुरुआत कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने की थी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को चर्चा में भाग लिया था। उनके यह कहने पर कि मणिपुर में 'भारत की हत्या' हुई है, सत्तापक्ष ने जोरदार हंगामा किया।

'मेरी माटी मेरा देश' पहल के तहत होने वाले कार्यक्रमों को लेकर मुख्य सचिव ने की बैठक

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 10 अगस्त। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'मेरी माटी मेरा देश' पहल के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा हेतु आज स्थानीय ताशिलिंग सचिवालय के तीस्ता लाउंज में एक प्रशासनिक बैठक आयोजित की गई।

मुख्य सचिव वीबी पाठक की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में गंगटोक डीसी तुषार निखारे, शिक्षा एसीएस आर तेलंग, गृह एसीएस सीएस राव, डीजीपी पीएचक्यू एके सिंह, आरडीडी सीसीएस डी आनंदन, पीसीसीएफ सह प्रधान वन सचिव प्रदीप कुमार, आईपीआर सचिव सुश्री कर्मा युत्सो, यूडीडी सचिव एमटी शेरपा के अलावा अन्य अधिकारीगण शामिल हुए। वहीं, सोरेंग डीसी भीम ठटाल वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

इस दौरान, मुख्य सचिव पाठक ने कहा कि 'मेरी माटी मेरा देश' पहल देश की स्वतंत्रता और विकास यात्रा की स्मृति में यहां की मिट्टी और वीरता के उत्सव की कल्पना करता है। यह कार्यक्रम अपनी भूमि से जुड़कर अपने नायकों का सम्मान करके राष्ट्रीय गौरव की भावना पैदा करेगा और भावी पीढ़ियों को देश की विरासत की रक्षा हेतु प्रेरित करेगा। साथ ही उन्होंने इस पहल के तहत कार्यक्रम आयोजित करने हेतु सभी संबंधित अधिकारियों को उनके दायित्वों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

उल्लेखनीय है कि आगामी 14 अगस्त को एडमपूल जूनियर हाई स्कूल में आयोजित होन वाले मेरी माटी मेरा देश से संबंधित कार्यक्रमों में राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य भाग लेंगे। वहीं, 13 अगस्त को मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) चाकुंग में कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इसके अलावा, 22 अगस्त को राजधानी गंगटोक के मनन केंद्र में एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसमें राज्यपाल और मुख्यमंत्री दोनों उपस्थित रहेंगे। 18 अगस्त को सभी सरकारी विभागों के प्रमुखों को पंच प्राण शपथ दिलाया जाएगा। इसके साथ ही 13 अगस्त से 15 अगस्त 2023 तक हर घर तिरंगा अभियान भी जारी रहेगा।

पूर्व सीएम इबोबी सिंह ने संघर्ष खत्म करने की मांग की, विधानसभा के आपातकालीन सत्र बुलाने का दिया सुझाव

इंफाल, 10 अगस्त (एजेन्सी)। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता ओकराम इबोबी सिंह ने राज्य में जातीय संघर्ष को खत्म करने के उपाय ढूंढ़ने के लिए विधानसभा का आपातकालीन सत्र बुलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और 10 समान विचारधारा वाले दल राज्यपाल और राज्य सरकार पर राज्य में हिंसा को खत्म करने के लिए तुरंत एक आपातकालीन सत्र बुलाने का दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में हिसा से अब तक 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

यहां कांग्रेस भवन में बुधवार को भारत छोड़ो आंदोलन की 81वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत में पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट को खत्म करने के लिए आम राय से किसी प्रस्ताव को पास करना जरूरी है। इबोबी सिंह ने कहा, प्रस्तावित आपातकालीन सत्र में राज्य में उभर रहे संकट पर चर्चा होनी चाहिए और संघर्ष को खत्म करने के लिए एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया जाना चाहिए।

राज्य विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता ने कहा कि मौजूदा संकट के शांतिपूर्ण समाधान का निश्चित तौर पर कोई न कोई रास्ता जरूर निकलेगा। इबोबी सिंह ने जोर देकर कहा संघर्ष के अंत का उपाय ढूंढ़ते समय मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता से किसी भी कीमत पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि सरकार को प्रस्तावित सत्र में सदन के सभी सदस्यों की उपस्थिति सुनिश्चित करनी होगी।

गौरतलब है कि हाल ही में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह द्वारा बुलाई गई कैबिनेट बैठक में राज्यपाल से यह सिफारिश करने का संकल्प लिया गया था कि विधानसभा सत्र का आयोजन 21 अगस्त को किया जाए।

राज्य से असम राइफल्स को हटाने की सत्तारूढ़ भाजपा की मांग पर इबोबी सिंह ने कहा कि अगर राज्य सरकार संकट से निपटने में अर्धसैनिक बल की भूमिका से संतुष्ट नहीं थी, तो उच्च अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज की जानी चाहिए थी। पूर्व सीएम ने आपातकालीन सत्र के लिए जोरदार वकालत की, लेकिन समुदाय के नेताओं के अनुसार जारी जातीय हिंसा के मद्देनजर अधिकांश कुकी विधायकों की उनकी पार्टी से जुड़े होने के बावजूद इसमें भाग लेने की संभावना नहीं है।

60 सदस्यों की संख्या वाले मणिपुर सदन में कुकी-जोमी के 10 विधायक हैं, जिनमें भाजपा के सात, कुकी पीपुल्स अलायंस के दो और एक निर्दलीय विधायक शामिल हैं। कुकी पीपुल्स अलायंस (केपीए) के अध्यक्ष टोंगमांग हाओकिप ने कहा, 'विधायकों के लिए इंफाल की यात्रा करना सुरक्षित

नहीं होगा। थानलॉन का प्रतिनिधित्व करने वाले भाजपा विधायक वुंगजागिन वाल्टे पर वहां बुरी तरह से हमला किया गया था, वह अभी भी चिकित्सा देखभाल में हैं।'

उन्होंने कहा कि इस आशंका को तभी दूर किया जा सकता है, अगर राज्य सरकार और केंद्र की ओर से गारंटी हो और विधायकों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त कदम उठाए जाएं। विश्लेषकों ने कहा कि कुकी के प्रतिनिधित्व के बिना यह संभावना नहीं है कि पिछले तीन महीने से मणिपुर में चल रहे जातीय संघर्षों पर कोई सार्थक चर्चा की जा सकेगी।

इस बीच, 40 विधायकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा है कि राज्य में शांति और सुरक्षा का माहौल बनाने के लिए पूर्ण निरस्त्रीकरण की आवश्यकता है। इन विधायकों में से अधिकांश मैतेई समुदाय से हैं। उन्होंने कुकी उग्रवादी समूहों के साथ सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (एसओओ) समझौते को वापस लेने, राज्य में एनआरसी लागू करने और स्वायत्त जिला परिषदों (एडीसी) को मजबूत करने की भी मांग की है।

गुड़ का गोबर कैसे करना है इसमें अधीर बाबू माहिर : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेन्सी)। मणिपुर हिंसा को लेकर विपक्ष द्वारा केंद्र सरकार के खिलाफ संसद में लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर पीएम मोदी ने जवाब देते समय विपक्ष खासतौर पर कांग्रेस पर निशाना साधा। अपने संबोधन के दौरान पीएम ने लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी को भी आड़े हाथों लिया। पीएम ने कहा कि अधीर बाबू को पता है कि गुड़ का गोबर कैसे करना है। ये इसमें माहिर हैं।

लोकसभा में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता का नाम बोलने की सूची में नाम ही नहीं था। 1999 में वाजपेयी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया। तब शरद पवार साहब ने नेतृत्व किया। 2003 में अटलजी की सरकार थी। सोनिया जी ने लीड ली और प्रस्ताव रखा। 2018 में खरगे जी थे, उन्होंने इसे आगे बढ़ाया, लेकिन इस बार अधीर बाबू का क्या हाल हो गया? उनकी पार्टी ने उन्हें बोलने का मौका नहीं दिया, ये तो कल अमित भाई ने बहुत जिम्मेदारी के साथ कहा कि अच्छा नहीं लग रहा है। आपकी उदारता थी कि समय समाप्त हो गया था, तब भी आपने उन्हें मौका दिया, लेकिन अधीर बाबू ने गुड़ का गोबर कर दिया। गुड़ का गोबर कैसे करना है उसमें ये माहिर हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पता नहीं हो सकता है 'इंडिया' से कोई फोन आया हो। कांग्रेस बार-बार उनका अपमान करती है। कभी चुनावों के नाम पर उन्हें अस्थाई रूप से उन्हें हटा देते हैं। हम अधीर बाबू के प्रति अपनी पूरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

इससे पहले, अधीर रंजन चौधरी ने अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान बोलते हुए पीएम मोदी की तुलना नीरव मोदी से की थी। उन्होंने कहा कि नीरव मोदी तो हजारों करोड़ लूटकर चला गया, लेकिन देश में पीएम नरेंद्र मोदी अब नीरव मोदी हो गए हैं। इसके साथ ही अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि 'अविश्वास प्रस्ताव की ताकत ये है कि पीएम मोदी को आज संसद में आना पड़ा। हम में से किसी ने भी अविश्वास प्रस्ताव के बारे में नहीं सोचा था। हम सिर्फ ये चाहते हैं कि पीएम मोदी संसद में आएं और मणिपुर मुद्दे पर बोलें। हम किसी और भाजपा सदस्य को नहीं बल्कि प्रधानमंत्री को ही बुलाना चाहते थे।'

इसके बाद अधीर रंजन के बयान पर अमित शाह ने आपत्ति जताई और कहा कि आप इस तरह पीएम के बारे में नहीं बोल सकते। तभी विपक्ष के नेता अधीर रंजन अमित शाह से बोले कि आपको क्यों इतना गुस्सा आता है पीएम मोदी तो इतना गुस्सा नहीं करते हैं। हालांकि महाभारत में चीरहरण को लेकर दिए गए बयान के बाद संसद में काफी हंगामा हुआ।

आगे अधीर रंजन ने कहा कि हम ये कहना चाहते हैं कि पीएम मोदी हर चीज में कुछ न कुछ बोलते हैं, लेकिन वो मणिपुर पर चुप हैं। हमें ये बिल्कुल पसंद नहीं हैं। मणिपुर से दो सांसद हैं, उन्हें बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा। देश का मुखिया होने के नाते प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर के लोगों के सामने मन की बात करनी चाहिए थी।क्या ये मांग गलत थी, ये आम लोगों की मांग थी। आगे बोले कि मोदी 100 बार देश के पीएम बनें, हमें कोई लेना देना नहीं। हमें देश के लोगों से लेना देना है।

ओवैसी बीजेपी के खिलाफ लड़ाई में शामिल हों : शिवपाल यादव

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेन्सी)। समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल यादव ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी से संपर्क किया है। उनसे भाजपा के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने के लिए कहा है।

इस कदम को समाजवादी पार्टी और एआईएमआईएम के बीच रिश्तों में नरमी के संकेत के रूप में देखा जा रहा है, जो लंबे समय से आमने-सामने हैं।

शिवपाल ने पूछा, 'ओवैसी साहब बहुत अच्छे आदमी हैं। लेकिन, वह भाजपा के खिलाफ सपा से हाथ कब मिलाएंगे?'

ज्ञात हो कि साल 2017 के चुनावों से पहले सपा और एआईएमआईएम के बीच संबंध ठीक नहीं थे। उस समय तत्कालीन अखिलेश सरकार ने औवेसी को 17 मौकों पर यूपी के मुस्लिम बहुल जिलों जैसे- आजमगढ़, मेरठ, गाजियाबाद, रामपुर और बहराइच में रैलियां करने की अनुमति नहीं दी थी।

तब, ओवैसी ने धमकी दी थी कि अगर उन्हें राज्य की राजधानी में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करने की अनुमति नहीं दी गई तो वे लखनऊ में सड़कों पर उतरेंगे।

आखिरकार, ओवैसी ने एआईएमआईएम के जिला कार्यालयों में बैठकें करने का फैसला किया। उस समय से ही ओवैसी अखिलेश यादव के अत्यधिक आलोचक रहे हैं और सपा पर मुसलमानों को महज वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हैं।

साल 2022 के विधानसभा चुनाव में भी ओवैसी ने भाजपा से ज्यादा सपा पर निशाना साधा था। सपा ने एआईएमआईएम को भाजपा की 'बी' टीम बताकर पलटवार किया था।

2022 का चुनाव जीतने में सपा के असफल होने और एआईएमआईएम के चुनाव में एक भी सीट नहीं जीतने के बाद दोनों पार्टियों के बीच मनमुटाव धीरे-धीरे खत्म हो गई।

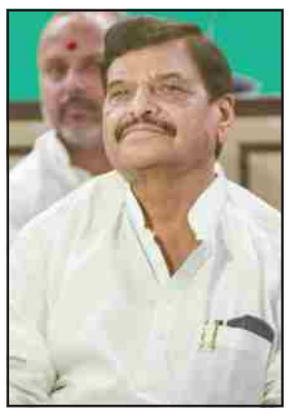

यह पहला मौका नहीं है जब शिवपाल ने ओवैसी को सक्षम राजनेता बताया हो। कुछ दिन पहले उन्होंने ओवैसी को बड़े समर्थकों वाला एक योग्य नेता बताया था।

ओवैसी ने भी शिवपाल को ऐसा नेता बताया था जो ज़मीनी स्तर से उठा है और राजनीति को सपा के कई लोगों से बेहतर समझता है।

नूंह में काम करने वाले बाहरी लोगों की आईडी की पुष्टि कर रही पुलिस

गुरुग्राम, 10 अगस्त (एजेन्सी)। हरियाणा के नूंह जिले में अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर रोहिंग्याओं की झुग्गियां तोड़े जाने के एक दिन बाद पुलिस ने उनका रिकॉर्ड तैयार करना शुरू कर दिया है। पुलिस 31 जुलाई की हिंसा में उनकी भूमिका की भी जांच कर रही है, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और 88 घायल हो गए।

नूंह के एसपी नरेंद्र बिरजानिया ने आईएएनएस को बताया, 'हम सांप्रदायिक झड़पों में उनकी कथित संलिप्तता के साथ-साथ पूर्ववृत्त का सत्यापन कर रहे हैं।'

पिछले सप्ताह नूंह के ताऊरू में विध्वंस अभियान के दौरान, निवासियों ने कहा था कि उनके पास असम और बंगाल की आईडी हैं और उन्होंने वर्षों पहले नूंह में अपनी बस्तियां बसाई थीं। उन्होंने यह भी दावा किया था कि वे हिंसा में शामिल नहीं थे।

कहा जा रहा है कि नूंह पुलिस ने अब तक पुलिस की पहुंच से बच रहे आरोपियों का पता लगाने और सबूत जुटाने के लिए अरावली पहाड़ियों की ड्रोन निगरानी भी शुरू कर दी है।

बिरजानिया ने कहा, 'कानूनी उद्देश्य के लिए आईडी को सत्यापित करने की आवश्यकता है। वे दंगों में शामिल थे या नहीं, यह विस्तृत जांच के बाद पता चलेगा। जांच के दौरान जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने गांव के सरपंचों से आग्रह किया है कि अगर उन्हें हाल की हिंसा में किसी की संलिप्तता के बारे में पता है तो वे उन्हें पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने में मदद कर सकते हैं।'

अपराध शाखा ने गुरुवार को ताऊरू इलाके में एक मुठभेड़ के बाद हाल की अशांति में कथित संलिप्तता के लिए दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि संदिग्धों की पहचान नूंह के गवारका गांव निवासी मुनफेद और सैकुल के रूप में हुई है।

पुलिस अब तक दर्ज 57 एफआईआर के करीब 188 आरोपियों को पकड़ चुकी है।

NAGALAND STATE LOTTERIES

DrawTime: 01:00 PM
DEAR MAHANADI THURSDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No: 19 DrawDate on: 10/08/2023 MRP ₹ 6/-
1st Prize Amount For Winner ₹1 Crore/- + For Seller ₹5 Lakhs/-**80C 20202**
Cons.Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- **20202**
(Remaining All Serial & Series)
2nd Prize Amount For Winner ₹9000/- + For Seller ₹500/-
22209 31499 54676 65078 67236 74456 76301 77041 92182 93897
3rd Prize Amount For Winner ₹450/- + For Seller ₹50/-
4141 6255 6264 6471 6531 6815 7762 7842 8527 8836
4th Prize Amount For Winner ₹250/- + For Seller ₹20/-
6037 6079 6224 6365 6551 7282 8289 8858 9644 9782
5th Prize Amount For Winner ₹120/- + For Seller ₹10/-
0148 0183 0263 0299 0319 0374 0427 0570 0659 0664
0712 0791 0854 0894 1399 1467 1490 1502 1562 1571
1583 1590 1608 1863 1981 2022 2055 2082 2143 2346
2355 2483 2583 2775 2792 2825 2857 2941 2952 2995
3183 3222 3277 3292 3297 3570 3647 3771 3905 3932
3953 4078 4455 4730 5286 5351 5382 5562 5667 5671
5860 5931 6100 6198 6240 6340 6372 6593 6595 6626
6653 6885 6954 6962 7123 7272 7428 7580 7662 7670
7749 8066 8077 8184 8452 8474 8552 8623 8672 8771
8854 8868 8898 9078 9141 9203 9226 9248 9312 9681
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
* TDS 5% Applicable on Seller Prize Amount (Section 194G)
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

DrawTime: 06:00 PM
DEAR LAKE THURSDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No: 19 DrawDate on: 10/08/2023 MRP ₹ 6/-
1st Prize Amount For Winner ₹1 Crore/- + For Seller ₹5 Lakhs/-**92C 26420**
Cons.Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- **26420**
(Remaining All Serial & Series)
2nd Prize Amount For Winner ₹9000/- + For Seller ₹500/-
03678 07948 31083 37006 37968 42090 69913 73933 80484 84735
3rd Prize Amount For Winner ₹450/- + For Seller ₹50/-
1238 2186 2647 6655 6675 6912 7622 9482 9499 9523
4th Prize Amount For Winner ₹250/- + For Seller ₹20/-
0399 0431 4097 4272 4741 6226 6268 7103 7952 9147
5th Prize Amount For Winner ₹120/- + For Seller ₹10/-
0174 0281 0353 0479 0559 0732 0767 0804 1041 1061
1114 1263 1266 1467 1586 1833 1870 2074 2110 2111
2341 2372 2425 2732 2767 2873 2976 3046 3108 3181
3247 3501 3536 3655 3890 4003 4014 4133 4153 4337
4361 4561 4596 4723 4755 4810 4891 4904 5092 5141
5151 5207 5256 5324 5382 5420 5552 5728 5783 5843
5863 5924 6057 6403 6560 6687 6823 6884 6932 7021
7037 7123 7134 7375 7382 7393 7451 7635 7701 7744
7785 7972 8100 8306 8490 8513 8551 8789 8828 8976
8979 9055 9203 9506 9532 9637 9697 9712 9775 9788
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
* TDS 5% Applicable on Seller Prize Amount (Section 194G)
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

DrawTime: 08:00 PM
DEAR SANDPIPER THURSDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No: 19 DrawDate on: 10/08/2023 MRP ₹ 6/-
1st Prize Amount For Winner ₹1 Crore/- + For Seller ₹5 Lakhs/-**44C 18399**
Cons.Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- **18399**
(Remaining All Serial & Series)
2nd Prize Amount For Winner ₹9000/- + For Seller ₹500/-
05439 12579 13202 31183 62704 63492 76830 86858 89481 98138
3rd Prize Amount For Winner ₹450/- + For Seller ₹50/-
0024 2114 3135 4462 5255 5332 6113 7550 7696 7743
4th Prize Amount For Winner ₹250/- + For Seller ₹20/-
0381 0938 0988 2109 2678 3230 6739 7805 8017 9722
5th Prize Amount For Winner ₹120/- + For Seller ₹10/-
0144 0194 0439 0579 0717 1208 1291 1350 1391 1430
1549 1709 1757 1817 1823 1928 2010 2048 2057 2125
2211 2230 2397 2398 2468 2866 2943 3077 3238 3249
3316 3420 3434 3469 3622 3627 3742 3902 3939 4063
4093 4178 4294 4393 4495 4499 4503 4528 4544 4584
4656 4727 4811 5016 5092 5196 5210 5317 5462 5694
5755 5835 6111 6125 6242 6284 6296 6356 6576 6648
6778 6904 6953 6977 6984 7648 7671 7691 7785 8085
8254 8357 8447 8493 8828 8885 8940 8958 9001 9046
9074 9206 9208 9278 9500 9574 9610 9674 9779 9829
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
* TDS 5% Applicable on Seller Prize Amount (Section 194G)
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

Government of Sikkim
Culture Department
Manan Bhawan, Gangtok – 737 101

No.: GOS/CD/E.Cell/2023-24/08 Dated: 09/0/2023

INVITATION FOR EXPRESSION OF INTEREST (EOI)

The Culture Department, Government of Sikkim, on behalf of the Governor of Sikkim invites application for Re-Bid, Expression of Interest from Party/Firm within the State of Sikkim for **"Design, Fabrication, Construction and Installation of 50-foot high Copper Statue of Gyalwa Lhatsun Chenpo at Simik Lingzey under Gangtok District"** and Maintenance of Statues for three years after Defect Liability Period on Tumkey Basis.

(For downloading detailed Invitation for Expression of Interest, please visit Departmental Website **Sikkim.gov.in**)

Superintending Engineer
Culture Department

R.O. No.: 116/IPR/PUB/Classi/2324, DT.: 09.08.2023

राहुल के तेवर

विपक्ष की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के दौरान कल बुधवार को बहस की शुरुआत कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने की। उनके भाषण का इंतजार एक दिन पहले से किया जा रहा था क्योंकि मंगलवार को कांग्रेस की ओर से ट्वीट करके बता दिया गया था कि अविश्वास प्रस्ताव पर विपक्ष की ओर से पहले वक्ता राहुल गांधी होंगे। हालांकि आखिरी पलों में प्लान फिर से बदलते हुए गौरव गोगोई से ही चर्चा की शुरुआत करवाई गई, जिस पर सत्तारूढ़ पक्ष के सदस्यों ने सदन के अंदर सवाल भी उठाया। लेकिन हर पार्टी को अपनी रणनीति में जब चाहे बदलाव करने का हक है। इसलिए इन आपत्तियों को ज्यादा तवज्जो नहीं दी जा सकती। हां, यह सवाल जरूर किया जा सकता है कि राहुल गंधी ने अपने भाषण में जिस तरह की आक्रामकता दिखाई और जितने तीखे शब्दों का प्रयोग किया क्या सचमुच उसकी जरूरत थी। इसमें दो राय नहीं कि पिछले तीन महीने से भी ज्यादा समय से मणिपुर के हालात बहुत खराब हैं। वहां हुई घटनाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं। लेकिन क्या मणिपुर भारत का अंग नहीं रहा? क्या राज्य अभी भी एक इकाई बना हुआ नहीं है? क्या सत्तारूढ़ पक्ष को देशद्रोही बताने से हालात सुधारने में कोई मदद मिलने वाली है?

विपक्ष को अपनी बात कहने का पूरा हक है, लेकिन राज्य पहले से ही खतरनाक और संवेदनशील दौर से गुजर रहा है। ऐसे में हालात को और बढ़ा-चढ़ाकर पेश करना क्या ठीक माना जाएगा। बहरहाल, राहुल गांधी के भाषण पर कइयों की नजरें टिकी थीं और उन्होंने अपने इस बेहद तीखे, आक्रामक भाषण से सरकार पर विपक्षी हमलों का टोन सेट कर दिया। यह बात पहले से ही कही जा रही थी कि विपक्ष की ओर से अविश्वास प्रस्ताव लाने का एकमात्र मकसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदन में मणिपुर पर बयान देने के लिए मजबूर करना है।

राहुल गांधी ने अपने भाषण को लगभग पूरी तरह मणिपुर पर केंद्रित रखकर यह साबित किया कि विपक्ष सरकार के लिए चर्चा इधर-उधर ले जाने की गुंजाइश नहीं छोड़ना चाहता। राहुल गांधी ने आइडिया ऑफ इंडिया के उस मुद्दे को भी इसी में जोड़ दिया, जो मोदी सरकार पर उनका मुख्य आरोप रहा है कि यह सरकार आइडिया ऑफ इंडिया पर हमले कर रही है, कि भारत की विविधताओं को अक्षुण्ण रखने में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं है।

राहुल गांधी के ठीक बाद बोलने खड़ी हुईं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कश्मीर और अन्य प्रांतों की हिंसा का मसला उठाया, लेकिन उससे संदेश यह जा सकता है कि सरकार के पास मणिपुर पर कहने के लिए कुछ खास नहीं है। राहुल गांधी के कथित फ्लाइंग किस को अभद्रता करार देने की कोशिश भी अच्छी रणनीति नहीं कहलाएगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि बाद के वक्ता (सत्ता पक्ष के) मणिपुर और अन्य मसलों पर लगाए गए विपक्ष के आरोपों का ज्यादा कारगर, सटीक और ठोस जवाब देंगे।

विकसित पुस्तकालयों में बेहतर पीढ़ी का निर्माण करने की ताकत

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

पुस्तकें मनुष्य के सबसे अच्छे मित्र और मार्गदर्शक होते हैं जो सतत ज्ञानरूपी प्रकाश से उनके जीवन को पथ प्रदर्शक में रूप में प्रगति का मार्ग दर्शाते हैं। गुणवत्तापूर्ण मनुष्यबल, एवं शिक्षित समाज के निर्माण में पुस्तकालय की भूमिका महत्वपूर्ण है। देश-दुनिया में जितने भी सफल बुद्धिजीवी लोग हैं उनके जीवन में भी पुस्तकों के लिए विशेष स्थान होता है, वे भी पुस्तकें पढ़ने के लिए व्यस्त होते हुए भी समय निकालते ही हैं। देश के महान समाजसुधारक, क्रांतिकारी, महान वैज्ञानिक से लेकर आज के नेता - अभिनेता भी पुस्तकें पढ़ना पसंद करते हैं, अधिकतर लोगों ने तो अपने घर में ही खुद के संग्रहण की छोटी-सी लाइब्रेरी बनाई है। पुस्तकें मनुष्य को बेहतर जीवन चरित्र निर्माण करने में अमूल्य योगदान देते हैं। पुस्तकों ने आज के आधुनिक युग में डिजिटल स्वरूप धारण किया हैं अर्थात दुनियाभर का साहित्य इंटरनेट और यांत्रिक संसाधनों के द्वारा हमारे पास पहुंच गया हैं, जिसे हम कभी भी, कही भी पढ़ सकते हैं। ई-साहित्य ऑनलाइन लाइब्रेरी के रूप में उपलब्ध हैं, लेकिन पुस्तकालयों में उपलब्ध गुणवत्तापूर्ण साहित्य संग्रह के योग्य व्यवस्थापन और बेहतर सेवा सुविधा द्वारा ही पुस्तकालय के उद्देश्य की पूर्ति हो सकती हैं।

बड़े दुख की बात है कि हमारे देश में अधिकतर स्कूली बच्चों को पुस्तकालय के बारे में जानकारी ही नहीं होती हैं क्योंकि उन्होंने अपने स्कूली जीवन में कभी पुस्तकालय देखा ही नहीं हैं। यह हाल सिर्फ पिछड़े ग्रामीण इलाकों का ही नहीं अपितु शहरों, महानगरों में भी अनेक स्कूल पुस्तकालय बगैर चल रहे हैं, तो कई स्कूलों में दिखावे के लिए एक बंद कमरे में कुछ रद्दी की किताबें पुस्तकालय के तौर पर नजर आती हैं, अधिकतर राज्यों के सरकारी और शासन द्वारा अनुदानित स्कूलों में भी ये हालात हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को पुस्तकालय का मोल कैसे समझेगा? यह एक गंभीर विषय हैं। स्कूली शिक्षा मनुष्य के जीवन का आधारस्तंभ होता है, अगर नींव बेहतर रही तो सफल जीवन की इमारत निश्चित ही मजबूत होगी।

आज समाज में ज्ञान के स्रोत के रूप में स्थापित अधिकतर पुस्तकालय उपेक्षा के शिकार हैं, जिसके कारण नई पीढ़ी पुस्तकालयों से मुँह मोड़ती नजर आ रही हैं। एक समय था जब छोटे-छोटे बच्चे भी घर के बड़े बुजुर्गों के साथ परिसर के सार्वजानिक पुस्तकालयों में बाल साहित्य पढ़ने के लिए जाया करते थे। बच्चों में पढ़ने की वह उमंग, ललक, खुशी शायद अब दुर्लभ जान पड़ती हैं, क्योंकि बच्चों को अब ऑनलाइन गेम्स, सोशल मीडिया ने व्यस्त कर दिया हैं, जो आने वाले कल को बर्बादी की ओर धकेल रहे हैं। पालक ही बच्चों को बचपन से ही मोबाइल की लत लगवा रहे हैं, जब बच्चे मोबाइल से बिगड़ते हैं तो पालक परेशान होते हैं। कच्ची मिट्टी की भांति बच्चों को जैसा सिखाओगे वैसा वें सीखेंगे। एक बार मिट्टी पक्की हो गयी तो उनका आकार बदलना मुश्किल हैं। अभिभावकों और शिक्षकों ने बच्चों को प्राथमिक स्कूली शिक्षा से ही बाल साहित्य व पठन सामग्री से परिचय करवाना चाहिए।

ऑनलाइन का ये पहलू भी समझना होगा :- माना कि ई-साहित्य ने पाठकों के लिए नया मार्ग प्रशस्त किया हैं लेकिन यांत्रिक संसाधनों पर ज्यादा देर लगातार पढ़ना थकावट पैदा करता हैं और कोरोना महामारी ने विद्यार्थियों के ऑनलाइन पढ़ाई के नाम पर बहुत-सी नई परेशानियों को जन्म दिया हैं। लगातार यांत्रिक संसाधनों से घिरे रहने के कारण विद्यार्थियों में सोशल मीडिया की लत लग गई, शारीरिक और मानसिक रूप से बच्चे कमजोर और हिंसक हुए, उनमें आंखों की समस्याएं, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा, चिंता और घुटन निर्माण होने लगी। इन समस्याओं से अभिभावक भी परेशान हो गए। ई-साहित्य समय, पैसा बचाकर दुनियाभर में हमारी पहुंच बनाता हैं, परन्तु स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि जितना संभव हो सकें ऑनलाइन पढ़ना कम हो तो अच्छा। सभी ने पुस्तकें खूब पढ़नी चाहिए, प्रत्यक्ष रूप में पुस्तकों को पढ़ना बेहतर होता हैं। हम किसी किताब को अपने हाथ में थामकर या भौतिक किताब के साथ पढ़ते हुए जितना समय बिताते हैं, उसका आधा समय भी ऑनलाइन किताब पढ़ने में नहीं बिता सकते। ऑनलाइन द्वारा ई-साहित्य एक सीमित समय के लिए बेहतर परिणाम देते हैं।

पुस्तकालय विकास से कोसों दूर :- हम सब जानते ही हैं कि हमारे देश में पुस्तकालयों का विकास विशेषकर सार्वजनिक पुस्तकालय और स्कूली पुस्तकालय संतोषजनक नहीं हैं। योग्य व्यवस्थापन, कुशल कर्मचारी गण एवं आवश्यक निधि के अभाव में पुस्तकालय खराब हालत में हैं। एक वक्त था जब पुस्तकालय ज्ञान के स्रोत के रूप में शहरों, गांवों, कस्बों में लोगों के जीवन का एक अभिन्न हिस्सा हुआ करता था। लोग कम शिक्षित थे फिर भी पुस्तकालयों के महत्त्व को जानते थे। आज वही पुस्तकालय अनमोल साहित्य के साथ खंडहरनुमा भवन में जर्जर अवस्था में बर्बादी की दास्तान बयां कर रहे हैं। अनेक पुस्तकालयों में अनमोल साहित्य जीर्ण अवस्था में पड़ा है, तो कई पुस्तकालयों में साहित्य के नाम पर कुछ समाचार पत्र दिखते हैं। तज्ञ कुशल कर्मचारी वर्ग की भारी कमी है, जिससे सेवाएं चरमराई हैं।

प्रशासन द्वारा उपेक्षा और उदासीनता :- भले ही देश में शिक्षा के महत्व पर जोर दिया जाता हैं और ज्ञान स्रोत अर्थात पुस्तकालय के उपयोगिता को सभी मानते हैं परन्तु पुस्तकालयों के विकास का क्या? पुस्तकालयों के विकास में नई क्रांति की आज सबसे ज्यादा जरुरत हैं ऐसे में अंतराष्ट्रीय स्तर के पुस्तकालय के नेटवर्क को फैलाना तो दूर, जो पुस्तकालय अभी अस्तित्व में हैं उनमे से भी अधिकतर खत्म होने के कगार पर हैं। आज बड़े शहरों में महानगरपालिका का बजट हजार करोड़ से अधिक होता हैं लेकिन वे पुस्तकालयों पर कितना खर्च करते है, ये हम सब जानते हैं। अधिकतर राज्यों के अनेक सरकारी स्कूल, कॉलेज में केवल नाम के लिए पुस्तकालय हैं। दशकों से अनेक राज्यों में सरकारी और अनुदानित शिक्षा केंद्रों के पुस्तकालय विभाग में कर्मचारी भर्ती होते हुए नहीं दिखीं। आज हम आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं परन्तु क्या आज भी 'गांव वहां पुस्तकालय' की संकल्पना को पूरी तरह से साकार कर पाये? बच्चों को स्कूल से ही पुस्तकालयों के महत्व और उसकी उपयोगिता को अपने जीवन में विशेष स्थान देना चाहिए लेकिन उन्हें स्कूल में पुस्तकालय की बेहतर सेवा-सुविधा ही नहीं मिलेगी तो वें निश्चित ही पुस्तकालयों से दूरी बनाने लगेंगे। पुस्तकालयों की ओर देखने का नजरिया बदलना चाहिए, शिक्षा को महत्व देना है तो पहले पुस्तकालय समृद्ध बनाने होंगे। पुस्तकालय धनोपार्जन का केंद्र नहीं है, शायद इसलिए इन्हें महत्त्व नहीं मिलता, लेकिन ये केंद्र ज्ञान स्रोत कहलाते हैं अर्थात देश को समृद्ध, विकसित और संपन्न बनाने के लिए पुस्तकालय बेहद महत्वपूर्ण हैं। विकसित पुस्तकालय बेहतर पीढ़ी को निर्माण करने की ताकत रखते हैं।

प्रशासन की जिम्मेदारी :- केंद्र सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन, संबंधित अधिकारी वर्ग ने अपने कार्यक्षेत्र अंतर्गत आनेवाले सभी पुस्तकालयों के विकास पर विशेष जोर देना चाहिए। उत्कृष्ट पठन सामग्री की खरीद, पुस्तकालय सेवा सुविधाएं, कुशल कर्मचारियों की भर्ती, पुस्तकालय भवन निर्माण के विस्तार पर ध्यान दिया जाना चाहिए, पुस्तकालयों में आधुनिक प्रौद्योगिकी की आवश्यकता, पर्याप्त धन, कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण और उचित वेतन की पूर्ति समयानुसार होनी ही चाहिए। लाखों की संख्या में पुस्तकालय विज्ञान क्षेत्र में उच्च शिक्षित बेरोजगारों की भरमार हैं। विद्यार्थियों में पठन साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए स्थानिक प्रशासन से लेकर राज्य और केंद्र सरकार ने विविध स्तर पर योजनाएं, स्पर्धा, महोत्सव, कार्यक्रम, सम्मेलन आयोजित करवाना चाहिए। हर जिले में अंतरराष्ट्रीय स्तर के पुस्तकालय स्थापित करके उसके क्षेत्र में आनेवाले सभी गांवों और कस्बों के स्कूल महाविद्यालय और सार्वजानिक पुस्तकालय भी उससे जोड़ने चाहिए, ताकि जिले के प्रत्येक पाठक को अंतराष्ट्रीय स्तर की पुस्तकालय सेवा पास में ही मिल सकें।

सभी शिक्षा केंद्र में संपन्न पुस्तकालय हो तो :- अगर देश में हर ओर विकसित पुस्तकालय हो तो बच्चे बड़े उत्साह से पुस्तकालय का उपयोग कर पाएंगे, पुस्तकों से उनकी दोस्ती होगी, पुस्तकें उनके जीवन को सही राह दिखाने में मददगार साबित होंगे, बच्चें अपने खाली समय का भी सदुपयोग कर पाएंगे। बच्चों का पढ़ाई में मन लगेगा, बोरियत महसूस नहीं होगी। वें मोबाइल, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग से दूर होंगे। बच्चों में बुरी आदतें कम होकर भविष्य में अपराधों पर अंकुश लगेगा। विद्यार्थी के रूप में बच्चे अपने भविष्य के प्रति जागरूक व अद्यतन रहेंगे, संस्कारशील, सृजनशील और जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। इससे शिक्षा प्रणाली पूर्णत समृद्ध होगी और इसका सीधा असर अन्य क्षेत्र पर होगा क्योंकि बच्चें बड़े होकर विभिन्न क्षेत्र में कार्यरत होंगे, वें उन्नत राष्ट्र के निर्माण में मुख्य भूमिका निभाएंगे। धीरे-धीरे सम्पूर्ण राष्ट्र विश्वपटल अग्रगण्य स्थान पर विराजमान होगा। आज विश्व के उन विकसित देशों के शिक्षा प्रणाली के बारे में सोचिए, जहां पर बचपन से ही बच्चों को पुस्तकालयों से परिचय कराया जाता हैं और उनके भविष्य में मजबूत उड़ान भरने के लिए पुस्तक के रूप में नए पंख लगाए जाते हैं। निश्चित रूप से यही बच्चें जीवन में सफलताओं के परचम लहराते हैं और देश को तरक्की के शिखर पर पहुंचाते हैं।

'योग्यता' का गोरखधंधा

डॉ. प्रवेश कुमार

भारतीय समाज विभिन्नताओं से भरा है, और विभिन्नताओं में एकता का होना ही हिन्दुस्तान है। हम सब सैकड़ों वर्ष विदेशी ताकतों के अधीन रहे। इसके कारणों पर गौर किया जाए तो पता चलता है कि हम ग़ुलाम क्यूं बने। क्या कारण था कि भारत का विशाल हिन्दू समाज भारी संख्या में होने पर भी मुट्ठी भर लोगों से हार गया।

भारत के बौद्ध मत की शक्ति ने जहां अपने विचार से दुनिया के तमाम देशों में अपने अनुयायियों को खड़ा किया वहीं भारत कैसे थोड़े से लोगों का ग़ुलाम हो गया। इसके पीछे के कारणों को हमारे तमाम महापुरुषों ने बताया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार कहते हैं, हिन्दू समाज में सहोदर भाव की कमी के कारण ही हमें अधीनता का काल देखना पड़ा। वीर सावरकर से लेकर महादेव गोविंद रानाडे अथवा ज्योतिबा फुले एवं बाबा साहेब अंबेडकर ने भी यही माना। यही कारण था कि बाबा साहेब ने आजीवन समाज के असमान माने जाने वाले सभी वर्गों को समाज की मुख्यधारा में समान अधिकार-परस्पर सम्मान दिलाने के लिए संघर्ष किया। सम्मान केवल बोलने से नहीं आने वाला है। मैं अक्सर कहता हूं कि सामाजिक समरसता मात्र बोलने की चीज नहीं, बल्कि उसे आचरण में लाने की आवश्यकता है।

प्राय: लोगों द्वारा कहा जाता है कि हम समरस हैं। हम तो दलितों के यहां भोजन कर लेते हैं, उनके साथ घूमते-फिरते हैं। लेकिन जैसे ही आरक्षित वर्ग का हमारा कोई मित्र कोई पद पा लेता है, तो हम तुरंत यह भी बोल देते हैं कि वो तो आरक्षण था न इसलिए मिल गया, तुम्हारे लोगों की तो मेरिट ही कम जाती है। इस पर मुझे पिछले दिनों के एक लेख का स्मरण हो जाता है, जिसे डॉ. अदिति पासवान ने लिखा। इंडियन एक्सप्रेस में छपे इस लेख कोटा किड में उन्होंने बखूबी दलित समस्या को उभारा है। यह लेख उन तमाम लोगों पर तमाचा है, जो कहते हैं कि हम समरस हैं पर असल में जाति उनके भीतर है। मुझे याद है कि मेरे एक घनिष्ठ मित्र अक्सर मुझसे कहते थे कि रामविलास पासवान किसी दलित डॉक्टर से क्यूं नहीं इलाज कराता।

हमेशा सामान्य वर्ग के डाक्टर को ही क्यों ढूंढ़ता है। अब पासवान ऐसे करते थे अथवा नहीं, यह तो हम नहीं जानते पर यह विमर्श जरूर समाज में पैदा किया जाता रहा है। मेरे तमाम उदाहरण देने का मकसद था कि हमारे सभी मनीषियों ने भारत को समरस बनाने के लिए अथक प्रयास किए। उन्हीं प्रयासों का परिणाम था प्रतिनिधित्व का अधिकार यानी कि आरक्षण। समरस समाज को बनाने के लिए छत्रपति साहू जी महाराज ने 1902 में आरक्षण का प्रावधान अपने राज्य के तमाम पिछड़े एवं दलित वर्ग के लिए किया था। आजादी की लड़ाई में ही 1932 में पूना पैक्ट के माध्यम से तमाम अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को आरक्षण दिया गया। यह आरक्षण सर्वप्रथम दलितों को दिया गया-यह मिथ वर्षो से लोगों के मन में है। पहली बार 1852 में अंग्रेजों ने गैर-अंग्रेजों यानी पढ़े-लिखे भारतीयों को आरक्षण दिया। आरक्षण का अभिप्राय भी प्रतिनिधित्व से ही है। जैसे पढ़े-लिखे भारतीयों ने अंग्रेजों से इसकी मांग की थी।

उसी तरह बाबा साहेब अंबेडकर ने अनुसूचित जाति के लिए प्रतिनिधित्व की मांग की। यह प्रतिनिधित्व धीरे-धीरे महिला, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांग और हाल में आर्थिक रूप से पिछड़े समाज के लिए भी किया गया है। अब आरक्षण तो लागू हो गया लेकिन उसे जमीन पर लाने की जिम्मेदारी जिन कंधों पर थी, वह सभी जातिवादी मानसिकता से ग्रस्त, गैर-समता में विास करने वाले थे। यही कारण है कि आज भी चतुर्थ श्रेणी को छोड़ कहीं पर भी आरक्षित वर्ग को प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है। क्या उपयुक्त पद के लिए आरक्षित वर्ग के कैंडिडेट नहीं मिलते अथवा मानसिक बीमारी के कारण इस वर्ग का समावेशन नहीं किया जा रहा है।

हाल के वर्षो में देश भर के केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों में आरक्षित वर्ग की सीटों को नहीं भरा गया। हिमाचल केंद्रीय विश्वविद्यालय में तो अधिकतर पदों पर यह लिख दिया गया कि हमें आरक्षित वर्ग में कोई भी उपयुक्त अभ्यर्थी नहीं मिला (एनएफएस-नॉट फाउंड सुटेबल। दिल्ली विश्वविद्यालय में कॉमर्स विभाग अथवा अन्य कई विभागों में-कोई भी उपयुक्त नहीं-लिख कर आरक्षित वर्ग को कमतर बताने का प्रयास किया गया है। लखनऊ विविद्यालय, इलाहाबाद तथा जेएनयू सभी में यही हाल है। अभी गुरु घासीदास यूनिर्वसटिी ने भी अधिकतर सीटों पर एनएफएस लगा दिया है। इस एनएफएस को लेकर आरक्षित वर्ग में काफी रोष है। प्रो. हंसराज सुमन एवं जेएनयू के प्रो. राजेश पासवान कहते हैं कि अनुसूचित जाति-जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को एनएफएस किया जाना, कुछ लोगों की जातिवादी मानसिकता का परिचायक है। ये लोग अपने विवेक का इस्तेमाल बेईमानी के लिए करते हैं। यह समस्या एक दिन विकराल रूप न बन जाए, मुझे इसकी चिंता जरूर है।

पिछले दिनों लोक सभा में एक प्रश्न के जवाब में शिक्षा मंत्रालय ने जवाब में कहा कि कुल केंद्रीय विश्वविद्यालयों में केवल एक में ही अनुसूचित जाति का उप-कुलपति है। वहीं जनजाति में भी एक है, अन्य पिछड़ा में 5 हैं। अगर रजिस्ट्रार देखें तो अनुसूचित जाति के 2 हैं, वहीं जनजाति के भी 2 ही हैं, वहीं अन्य पिछड़े समाज के तीन हैं।

रिजर्व बैंक से उम्मीदें

सतीश सिंह

विकास की रफ्तार कायम रखने के लिए जरूरी है कि रेपो दर में और बढ़ोतरी नहीं की जाए, लेकिन विगत 4 महीनों तक खुदरा महंगाई के लगातार घटने के बाद जून, 2023 में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेज उछाल के चलते जून महीने में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक या खुदरा महंगाई दर 4.81 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई, जबकि मई में यह 4.31 प्रतिशत थी।

वहीं, अप्रैल, 2023 में यह 4.7 प्रतिशत थी, जबकि मार्च में 5.66 प्रतिशत रही थी। हालांकि,जून महीने में भी खुदरा महंगाई दर रिजर्व बैंक के सहनशीलता स्तर 6 प्रतिशत से नीचे है, लेकिन इस वर्ष कई राज्यों में तेज बारिश से खरीफ की फसल के उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ा है, और आगामी महीनों में स्थिति और भी बदतर हो सकती है। अल नीनो का खतरा अभी बना हुआ है। ऐसे में खुदरा महंगाई भी बढ़ने के आसार हैं। उल्लेखनीय है कि सीपीआई बॉस्केट में लगभग आधी हिस्सेदारी खाद्य पदाथरे की होती है।

रिजर्व बैंक ने नीतिगत दरों में बढ़ोतरी करना पिछले साल मई में शुरू किया था। हालांकि, इस साल अप्रैल-जून में लगातार दो द्विमासिक मौद्रिक समीक्षाओं में रेपो दर 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखी गई थी, जिसके कारण बैंकों ने भी कर्ज दर में बदलाव नहीं किया। उम्मीद है कि 10 अगस्त को घोषित की जाने वाली रेपो दर को भी यथावत रखा जाएगा ताकि कर्ज की लागत स्थिर बनी रहे और विकास दर की तेजी बरकरार रहे, लेकिन बताना समीचीन होगा कि अप्रैल-जून महीने की द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा के समय देश में खुदरा महंगाई की स्थिति बेकाबू नहीं थी और इसी वजह से रेपो दर को यथावत रखा गया था।

रिजर्व बैंक मुख्य तौर पर रेपो दर में बढ़ोतरी करके महंगाई से लड़ने की कोशिश करता है। जब रेपो दर अधिक होती है तो बैंकों को रिजर्व बैंक से महंगी दर पर कर्ज मिलता है, जिसके कारण बैंक भी ग्राहकों को महंगी दर पर कर्ज देते हैं। इससे अर्थव्यवस्था में मुद्रा की तरलता कम हो जाती है, और लोगों की जेब में पैसे नहीं होने से वस्तुओं की मांग में कमी आती है, और वस्तु-उत्पादों की कीमत अधिक होने के कारण इनकी बिक्री में गिरावट आती है, जिससे महंगाई दर में नरमी देखी जाती है।

इसी तरह अर्थव्यवस्था में नरमी रहने पर विकासात्मक कायरे में तेजी लाने के लिए बाजार में मुद्रा की तरलता बढ़ाने की कोशिश की जाती है, और इसके लिए रेपो दर में कटौती की जाती है, ताकि बैंकों को रिजर्व बैंक से सस्ती दर पर कर्ज मिले और सस्ती दर पर कर्ज मिलने के बाद बैंक भी ग्राहकों को सस्ती दर पर कर्ज दे सकें। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास के अनुसार कोरोना महामारी, भू-राजनीतिक संकट, महंगाई, वैकि अर्थव्यवस्था में नरमी के बावजूद बैंकिंग और गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान (एनबीएफसी) मजबूत बने हुए हैं। बैंकिंग क्षेत्र में लगातार सुधार आ रहा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून, 2023 के दौरान 12 सरकारी बैंकों का मुनाफा बढ़कर 34,774 करोड़ रु पये पर पहुंच गया जबकि भारतीय स्टेट बैंक का मुनाफा 178.24 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 16,884.29 करोड़ रु पये रहा।

वित्त वर्ष 2022-23 की अंतिम तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था, लेकिन यह 6.1 प्रतिशत रहा। 2022-23 की चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर में बेहतरी आने से पूरे वित्त वर्ष की वृद्धि दर में सुधार दर्ज हुआ है। 2022-23 के दौरान एमपीसी ने पहले जीडीपी के 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था, जो वास्तविकता में 7.2 प्रतिशत रही। अभी रिजर्व बैंक का लक्ष्य विकास और महंगाई के बीच संतुलन बनाना है, ताकि आम आदमी को परेशानी न हो और विकास की रफ्तार में भी तेजी आए। इसलिए, खुदरा महंगाई में कमी लाना बेहद जरूरी है। ऐसा नहीं करने से आगामी महीनों में भारत की आर्थिक वृद्धि दर धीमी पड़ सकती है।

बता दें कि महंगाई की वजह से जीडीपी वृद्धि दर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अब फिर से खुदरा महंगाई उफान पर है। कयास लगाए जा रहे हैं कि आगामी महीनों में भारत की विकास दर नरम रह सकती है, जिससे अर्थव्यवस्था में सुस्ती आ सकती है। बेशक, रेपो दर यथावत रखने से कर्जदारों को राहत मिलेगी तो विकास की रफ्तार भी तेज होगी, लेकिन रिजर्व बैंक चाहता है कि खुदरा महंगाई पर पहले नियंतग्रकिया जाए क्योंकि इससे लंबे समय में अर्थव्यवस्था में मजबूती आती है। लिहाजा, अनुमान है कि रिजर्व बैंक 10 अगस्त को रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की बढोतरी कर सकता है, जिससे बैंक कर्ज दर में इजाफा करेंगे और कर्ज महंगा होने से उत्पादों की मांग में कमी आएगी, जिससे खुदरा महंगाई में कमी आएगी। इससे लोगों की खर्च करने की क्षमता भी कम होगी, जिसकी वजह से आधारभूत संरचना को मजबूत करने में निजी व्यय में कमी आएगी, जो पहले से ही कम है। विकास की गति कम होने से कर संग्रह में भी कमी आ सकती है।

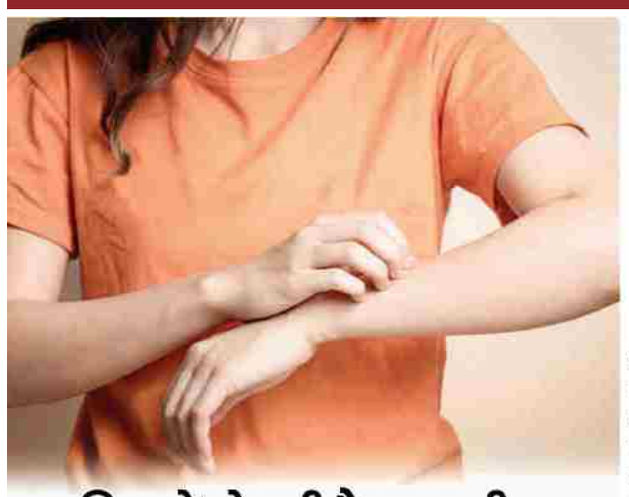

बारिश में हो रही है खुजली और इंफेक्शन की समस्या तो इन आदतों को जल्द सुधारें

बारिश के मौसम में स्किन इन्फेक्शन का खतरा काफी बढ़ जाता है। साथ ही बारिश में भीगने के बाद कई लोगों को त्वचा संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। ह्यूमिडिटी के कारण ऑयली स्किन से लेकर स्किन रैशेज तक कई समस्या होती हैं। कई लोगों को त्वचा में जलन और खुजली की भी परेशानी होती है। इन समस्या को नज़रंदाज़ करने पर समस्या काफी बढ़ सकती है। बारिश में बैक्टीरिया बढ़ने के कारण स्किन इन्फेक्शन काफी तेज़ी से फैलता है। अगर आप भी इस मौसम में खुजिल, जलन या स्किन इन्फेक्शन की समस्या से परेशान है तो आपको इन टिप्स को ज़रूर फॉलो करना चाहिए...

बॉडी को अच्छे से सुखाएं

बारिश में उमस काफी रहती है जिसके कारण नहाने या बारिश में भीगने के बाद हमारी बॉडी काफी लंबे समय तक गीली रहती है। स्किन इन्फेक्शन से बचने के लिए अपनी त्वचा को अच्छे से सुखाएं। स्किन में नमी के कारण बैक्टीरिया ज्यादा समय तक रहते हैं जिससे इन्फेक्शन का खतरा बढ़ता है। बारिश में भीगने के बाद आप अपनी त्वचा को अच्छे से सुखा लें।

भीगने के बाद हाथ-पैर धो लें

बारिश के पानी में कई तरह के बैक्टीरिया मौजूद होते हैं। साथ ही वातावरण के कारण भी इन्फेक्शन का खतरा काफी होता है। अगर आप बारिश में भीग गए हैं तो घर आकर नहाएं या हाथ-पैर धो लें। आप साबुन या डिटॉल के पानी से भी नहा सकते हैं। ऐसा करने से स्किन इन्फेक्शन का खतरा काफी कम हो जाएगा।

हलके सूती कपड़े पहनें

सर्दी और गर्मी के मौसम में हमें फैब्रिक की समझ रहती है लेकिन बारिश में हम किसी भी प्रकार के कपड़े पहनते हैं। बारिश में पॉलिएस्टर के कपड़ों के कारण स्किन इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। बारिश में हलके सूती कपड़े पहनने की कोशिश करें। साथ ही इस मौसम में ज्यादा टाइट कपड़े न पहनें।

सूखे अंडरगारमेंट्स पहने

बारिश में अंडरगारमेंट्स आसानी से सूखते नहीं है। साथ ही अंडरगारमेंट्स सूखने के बाद भी इनमें नमी रह जाती है. ऐसे में कई लोग गीले या नमी वाले अंडरगारमेंट्स पहन लेते हैं। गीलापन के कारण त्वचा में इन्फेक्शन, रैशेज और बैक्टीरिया का खतरा बढ़ जाता है। अंडरगारमेंट्स अगर गीले हैं तो आप हेयर ड्रायर या आयरन की मदद से सुखा सकते हैं।

टॉवल साफ़ रखें

स्किन इन्फेक्शन से बचने के लिए सबसे ज़रूरी टॉवल साफ़ करना है। टॉवल बारिश में आसानी से सूखती नहीं है जिसके कारण उसमें फंगस लगने की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए नियमित रूप से अपनी टॉवल को साफ़ करते रहें। गीली टॉवल के इस्तेमाल से बचें। धूप में टॉवल सुखाने की कोशिश करें।

कंजक्टिवाइटिस आई फ्लू फैल रहा है तेजी से, जानें बचने के उपाय

कंजक्टिवाइटिस आंखों की एक बीमारी है, जिसे आंख आना या आंखों का गुलाबी होना कहा जाता है। इस रोग में आंखें सुर्ख लाल होकर सूज जाती है। उसमें पानी आने लगता है और खुजली होने लगती है। यह बीमारी एक वायरल रोग है, जो इंफेक्शन के कारण एक-दूसरे में आ जाती है। अत- जो भी व्यक्ति बार-बार आंख को रगड़ते हैं, उन्हें बैक्टीरियल इंफेक्शन हो जाता है और उसमें से पस जैसा डिस्चार्ज आने लगता है। साथ ही आंख आने वाले व्यक्ति की आंख में देखने से भी कंजंक्टिवाइटिस फैलता है। इस संक्रमण में आंखों में दर्द, जलन और आंखों में कुछ रेत की तरह चुभने का अहसास भी होता है।

कंजक्टिवाइटिस से बचने के उपाय

- कंजक्टिवाइटिस के दौरान साफ-सफाई का ध्यान रखें।
- आंखें आने पर बाहर धूप में निकलने पर आंखें दुखने लगती हैं अत- सनग्लासेज पहन कर ही घर से बाहर निकलें।
- दिनभर में कई बार साफ पानी से आंखों को धोएं।
- आई ड्रॉप्स को आंखों में डालने के पहले और दवाई डालने के बाद भी अपने हाथ धोएं।
- जिस व्यक्ति कंजक्टिवाइटिस का इंफेक्शन है, उससे दूरी बनाए रखें।
- यदि घर में किसी को आंखों का इंफेक्शन है, तो उसका तकिया, तौलिया आदि कोई भी चीजें किसी दूसरे के साथ शेयर न करें।
- यदि नेत्र रोग विशेषज्ञ आपको एंटिबायोटिक ड्रॉप या मलहम लगाने की सलाह देते हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि दवा का नोजल आंखों तथा पलकों पर टच न हो, इससे भी दूसरी आंख में कंजक्टिवाइटिस इंफेक्शन फैलाने का खतरा बढ़ जाता है।
- कंजक्टिवाइटिस का संक्रमण हाथों के जरिए भी फैल सकता है। अत- घर के सदस्यों तथा स्कूली बच्चों को एक-दूसरे के नजदीक न आने दें।
- कंजक्टिवाइटिस रोग से ग्रसित व्यक्ति से हाथ न मिलाएं।
- अगर घर में किसी एक बच्चे को इंफेक्शन है तो घर या स्कूल के दूसरे बच्चों के उसके संपर्क में आने पर उन्हें भी यह हो जाता है।

बारिश में बच्चों को डायरिया से कैसे बचाएं?

बारिश का मौसम बहुत सुहाना होता है लेकिन ये सुहानी बारिश कई खतरनाक बीमारियों को भी लेकर आती है। बारिश में सर्दी, बुखार और जुखाम की समस्या आम होती है। लेकिन इसके साथ ही डायरिया का खतरा भी बारिश के मौसम में बढ़ जाता है। बारिश के पानी में जेर्म्स व बैक्टीरिया होने के कारण पेट की समस्या होने लगती है। कई बार बारिश के मौसम में बहार का न खाने पर भी पेट की समस्या हो जाती है। इस मौसम में इम्युनिटी कमजोर हो जाती है। ऐसे में बच्चों को भी बारिश के मौसम में सतर्क रहने की ज़रूरत है।

ऐसे बचाएं बच्चों को डायरिया से

- बच्चों को डायरिया से बचाने के लिए उन्हें घर में प्रवेश करते समय हाथ धोने को कहें।
- खाने से पहले भी उन्हें हाथ धोने या sanitize करने की लिए कहें।
- बच्चों को स्ट्रीट फूड का सेवन न करने दें। बारिश में स्ट्रीट फूड से डायरिया का खतरा बढ़ता है।
- बच्चों को जमे और गंदे पानी से न खेलने दें। इससे जेम्स का खतरा अधिक होता है।
- हमेशा बच्चों को RO या उबला हुआ पानी ही पिलाएं।
- डायरिया से बचने के लिए घर में सफाई रखें और मक्खी व कॉकरोच जैसे कीड़ों को न आने दें।

डायरिया से बचने के लिए इन चीज़ों का सेवन करें

- दही, छाछ, लस्सी पीने से दस्त की समस्या से राहत मिलती है। दही में गुड बैक्टीरिया होते हैं जो आंतों के लिए जरूरी हैं जिससे पेट में ऐंठन, मरोड़ दूर हो जाती है।
- डायरिया से बचने के लिए आप जीरे के पानी का सेवन करें। आप 1 से आधा चम्मच जीरा या जीरा पाउडर लें। इसके बाद इसे अच्छे से पानी में उबाल लें। इसको छान कर ठंडा होने बाद पी लें।
- केला, उबला आलू, अनार, अंगूर, संतरा आदि फल-सब्जी का सेवन करें। सादा खाना खाएं जैसे दलिया, खिचड़ी आदि खा सकते हैं।
- आप बच्चों को नारियल व नींबू पानी भी पिलाएं। नींबू पानी में विटामिन ष्होता हा जिससे बच्चों की इम्युनिटी बेहतर होगी।

अगर आपके बच्चे को डायरिया हो या उसके लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से इलाज करवाएं। डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी दवाई न लें।

डायरिया के लक्षण

- पतला मल आना
- उल्टी होना
- शरीर में पानी की कमी होना
- पेट में सूजन व ऐंठन होना
- बार-बार बुखार आना
- मल के साथ खून आना
- भूख न लगना
- पेट में ऐंठन होना

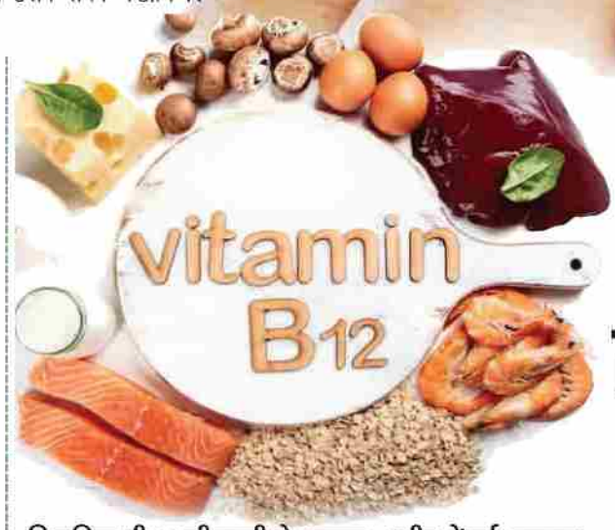

विटामिन बी 12 कम होने से क्या होता है?

विटामिन बी 12 की कमी से थकान, शरीर में दर्द, चक्कर आना, कमजोरी महसूस होती है। जी हां, यह सच है कि कभी-कभी नींद पूरी होने के बाद भी सुबह उठने पर यदि आपको थकान महसूस होती है और शारीरिक रूप से थका होने के कारण किसी भी कार्य में मन नहीं लगता है। ऐसा महसूस होता होता है कि जैसे चक्कर आ रहे हैं, बॉडी पेन, कमजोरी महसूस हो रही और किसी भी कार्य पर पूर्णरूप से ध्यान नहीं दे पा रहे हैं तो इस बीमारी की जड़ विटामिन बी 12 हो सकती है। जानते हैं विटामिन बी 12 कम होने पर क्या लक्षण नजर आते हैं।

- पूरे शरीर में दर्द महसूस होना
- दिनभर थकान लगना
- सिर दर्द होना
- वजन तेजी से गिरना
- भूख नहीं लगना
- बेहोशी जैसा लगना, बेहोशी महसूस होना, सिर घूमना
- दिल की धड़कन तेज होना
- किसी भी कार्य में मन न लगना
- कुछ भी काम करने का मन न करना
- एनीमिया से पीड़ित होना।

आदि लक्षण विटामिन बी 12 की कमी से हो सकते हैं। यदि आप भी कुछ ऐसा ही महसूस करते हैं तो इसके लिए आपको अपने दिनचर्या में डेयरी प्रोड्क्ट, पनीर, अंडा, चुकंदर, दही, ब्रोकली, ओट्स, मछली, मिट, चिकन आदि को अपने खान-पान में शामिल करना चाहिए।

पपीता खाने के हैरान करने वाले फायदे

पपीता एक ऐसा फल है, जिसे कच्चा और पका हुआ दोनों ही तरह से खाया जाता है। पपीता एक पौष्टिक और रसीला फल हैं, जिससे हमें कई विटामिन प्राप्त होते हैं। इसके नियमित उपयोग से शरीर में कभी विटामिन्स की कमी नहीं होती। वैसे तो पपीता अधिकतर लोगों को पसंद होता है और वे इसे खाना भी पसंद करते हैं। लेकिन आपको बता दें कि डायबिटीज के रोगियों को प्रतिदिन पपीता खाने से बचना चाहिए या फिर डॉक्टर की सलाह के बाद ही इसे खाना उचित रहता है।

पपीता पेप्सिन प्राप्त करने का एकमात्र साधन है। इसमें पेप्सिन नामक तत्व पाया जाता है, जो बहुत ही पाचक होता है। यह खासकर उन स्थितियों में भोजन को पचाने में मदद करता है, जब आपका पाचन तंत्र भोजन को पचाने के लिए पर्याप्त मात्रा में एंजाइम का निर्माण नहीं करता है। अत- यह हमारे शरीर के लिए अतिलाभदायी होता है। यदि आप भी नियमित रूप से एक माह तक पपीते का सेवन करते हैं तो इसके आपको हैरान करने वाले फायदे मिलते हैं।

- पपीता खाने से त्वचा व नेत्र स्वस्थ रहते हैं।
- पपीता कब्ज और कफ के रोग में लाभदायी है।
- पपीता पेट एवं आंत संबंधी रोगों में बहुत लाभदायक है, क्योंकि पपीते का रस प्रोटीन को आसानी से पचाने मददगार माना गया है।
- बच्चों की वृद्धि और रोगों से बचाने के लिए उन्हें विटामिन ए की अधिक आवश्यकता रहती है, जो कि उन्हें पपीता से मिलती है।
- पपीता हृदय रोग, नाड़ियों तथा पेशियों की क्रिया ठीक रखने में सहायता करता है।
- पपीते का सेवन वात शमन करके अपावायु को शरीर से बाहर करता है।
- विटामिन ए पपीते में अधिक मात्रा में पाया जाता हैं, जो कि हमारी त्वचा एवं आंखों के लिए बहुत आवश्यक होता है। अत- यह त्वचा को स्वच्छ, स्वस्थ और इसकी ग्लोइंन बनाए रखने में लाभकारी है।
- पपीते में कैल्शियम अच्छी मात्रा में होने के कारण यह रक्त और तंतुओं के निर्माण सहायक है।
- पपीता गरिष्ठ पदार्थों या भोजन को आसानी से पचाता है।
- पपीता से हमें पाचक तत्व का एकमात्र प्राकृतिक स्रोत पेप्सिन तथा विटामिन ए, बी, सी, डी के अलावा आयरन, फॉस्फोरस, एंटीऑक्सीडेंट्स, पोटेशियम, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम और कैरोटीन भी अच्छी मात्रा में मिलता है। अत- बार-बार सर्दी और खांसी से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए पपीते का नियमित सेवन काफी लाभकारी होता है, क्योंकि इससे आपका इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।

एक इलायची रोज खा ली तो होंगे 3 फायदे

इलायची भारतीय रसोई में उपयोग में आने वाला एक महत्वपूर्ण मसाला है। यदि आपको सेहत के फायदे चाहिए तो आप इलायची का इस्तेमाल आपके भोजन का स्वाद बढ़ाने के साथ ही रोज खाने में भी करें, यानी कि 1 इलायची आप प्रतिदिन खाएं, आपको इलायची खाने बेहतरीन फायदे भी मिलेंगे।

- यदि आप एक इलायची का सेवन करते हैं तो आपके गले की खराश, गले की सूजन और बैठी हुई आवाज में लाभ होगा। इसके लिए आपको सुबह उठने के बाद एक छोटी इलायची चबा-चबाकर खाकर गुनगुना पानी पीना चाहिए।
- यदि आपके मुंह से दुर्गंध आती है तो इलायची चबाना एक अच्छा उपाय है। क्योंकि इलायची से जहां मुंह की बदबू दूर होगी। वहीं इसके अन्य कई फायदे भी आपको मिलेंगे।
- यदि आपको बार-बार मुंह में छाले होते हैं तो आप इलायची के पाउडर में पिसी मिश्री मिलाकर खाएं, लाभ होगा। इसके अलावा आपका जी मचलाना, खांसी, बदहजमी आदि में इसका फायदा होगा।

फर्जी कागजात के सहारे नेपाल में घुसे 24 भारतीय, मांग रहे थे भीख

काठमांडू । नेपाल में घुसे 24 भिखारियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर वापस भारत भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने फर्जी दस्तावेज रखने और खुद को प्राकृतिक आपदा का शिकार बताने वाले 12 नाबालिगों सहित भारत के 24 भिखारियों को हिरासत में लिया। इसके बाद पुलिस ने जांच करने के बाद उन्हें वापस भारत भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, राजस्थान से ताल्लुक रखने वाले सभी 24 लोगों को भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र के नेपाल की तरफ वाले इलाके बिर्तामोड की सड़कों पर भीख मांगते हुए हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि वे हाथों में छह महीने के बच्चे समेत कई छोटे बच्चों को लेकर अलग-अलग बहाने बनाकर पैसे के लिए भीख मांग रहे थे। पुलिस के मुताबिक, उनके पास फर्जी दस्तावेज थे और उन्होंने दावा किया कि वे भारत में प्राकृतिक आपदा के पीड़ित हैं और आपदा की वजह से उन्होंने अपना घर बार खो दिया। पुलिस ने बिर्तामोड़ नगर निगम की मदद से पता लगाया कि वे बिर्तामोड़ बुसपार्क में एक किराए के कमरे में समूहों में रह रहे थे। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर पुलिस की गाड़ी से कांकड़भित्ता इलाके में मेची पुल पर सीमा की दूसरी तरफ छोड़ दिया।

ब्रिटिश सिख शेफ हरदीप सिंह कोहली रिहा

लंदन । यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार ब्रिटिश सिख शेफ हरदीप सिंह कोहली को रिहा कर दिया गया है। यह जानकारी पुलिस ने दी। जांच के अनुसार, 54 वर्षीय कोहली पर 20 से अधिक महिलाओं ने हिंसक और यौन रूप से अनुचित व्यवहार का आरोप लगाया है। स्कॉटलैंड पुलिस ने कहा, हाल ही में यौन अपराधों के आरोप गिरफ्तार कोहली को बाद में अदालत में पेश होने के वादे पर रिहा कर दिया गया है। कोहली के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की ताजा शिकायतें सामने आने के बाद पुलिस ने पिछले महीने जांच शुरू की। रिपोर्ट दी थी कि लेबर पार्टी की एक पूर्व अधिकारी ने आरोप लगाया था कि सोशल मीडिया पर संपर्क करने के बाद कोहली ने उन पर अवांछित यौन टिप्पणियां कीं। कोहली ने मुझे फ़ोन कर सेक्स के बारे में बात करने लगा। मैंने उससे कहा कि मैं सहज महसूस नहीं कर रही हूं लेकिन उसने यह समझाने की कोशिश की कि मेरे साथ कुछ गड़बड़ है, क्योंकि मैं उसके साथ सेक्स चैट में शामिल नहीं होना चाहती थी। कोहली ने पिछले महीने अपना एक्स प्रोफ़ाइल हटा दिया था, क्योंकि महिलाओं ने इस मंच का इस्तेमाल, उन पर यौन रूप से अनुचित व्यवहार का आरोप लगाने के लिए किया था। पंजाब के अप्रवासी माता-पिता के घर लंदन में जन्मे, कोहली ने बीबीसी और अन्य प्रसारकों के लिए कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए, और सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के 2006 संस्करण में उपविजेता रहे। कोहली ने 2009 में एडिनबर्ग फ्रिंज में कॉमेडी में कदम रखा, जहां उन्होंने मंच पर करी पकाते हुए वन-मैन शो का प्रदर्शन किया।

इक्वाडोर में राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार की गोली मारकर हत्या

वाशिंगटन । साउथ अमेरिकी देश इक्वाडोर से बड़ी खबर आ रही है। इक्वाडोर के आगामी राष्ट्रपति चुनाव में एक उम्मीदवार की गोली मारकर हत्या की गई है। देश की नेशनल असेंबली के सदस्य और राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार फर्नांडो विलाविसेंशियो पर उत्तरी शहर क्विटो में बीच कैंपेन में हमला किया गया। टीम के सदस्य ने बताया कि विलाविसेंशियो एक कार में बैठ रहे थे, तभी एक व्यक्ति आगे बढ़ा और उनके सिर में गोली मार दी। विलाविसेंशियो को तीन बार गोली मारी गई और बंदूकधारी घटनास्थल से भागने में सफल रहा। राष्ट्रपति चुनाव का पहला दौर 20 अगस्त को होना है। मामले में राष्ट्रपति गुइलेर्मो लासो ने कहा कि हत्यारे को बख्शा नहीं जाएगा। लासो ने कहा, 'उनकी स्मृति और उनकी लड़ाई के लिए, मैं आपको आश्वासन देता हूं कि यह अपराध बख्शा नहीं जाएगा, लासो ने कहा, 'संगठित अपराध बहुत आगे बढ़ गए हैं, लेकिन कानून का सारा भार उन पर पड़ेगा। लासो ने कहा कि वह एक जरूरी बैठक में शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों की मेजबानी करुंगा। इक्वाडोर में ड्रग कार्टेल के हिंसक अपराध में वृद्धि हुई है। पिछले महीने, संगठित अपराध से जुड़ी कई हत्याओं के बाद लासो ने तीन प्रांतों में आपातकाल और रात्रि कर्फ्यू की घोषणा की थी। सुरक्षा के साथ-साथ विलाविसेंशियो का कैंपेन भ्रष्टाचार से निपटने पर केंद्रित था, उन्होंने एक पत्रकार के रूप में अपने पहले करियर में इस मुद्दे को कवर किया था, और पर्यावरण विनाश को कम करने पर भी उनका पूरा फोकस था।

समुद्र में जहाज के दुर्घटनाग्रस्त होने से 3 बच्चों सहित 41 लोगों की मौत

रोम । इटली के लैम्पेडुसा द्वीप के पास बड़े हादसे की खबर है। यहां समुद्र में जहाज के दुर्घटनाग्रस्त होने से 3 बच्चों सहित 41 लोगों की मौत हुई है। इस हादसे में जीवित बचे लोगों के बयान के बाद ये मामला सामने आया। हादसे में बचे लोगों ने कहा कि वे बहुत मुश्किल से किसी तरह लैम्पेडुसा पहुंचे। ये हादसा बीते हफ्ते, मध्य भूमध्य सागर में हुआ था। ये लोग ट्यूनीशिया से छोटे जहाज में सवार होकर इटली के लिए निकले थे। जीवित बचे लोगों के मुताबिक ट्यूनीशिया के स्फैक्स से 45 लोग एक छोटे जहाज पर सवार होकर इटली के लिए रवाना हुए थे। लेकिन कुछ ही घंटों में जहाज पलट गया और उसमें सवार 41 लोगों की मौत हो गई।

फ्रांस में दिव्यांगजनों के विश्राम गृह में लगी आग, 11 की मौत

पेरिस । फ्रांस में दिव्यांगजनों के एक विश्राम गृह में आग लग गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई। बचाव अभियान के प्रमुख ने यह जानकारी दी। फ्रांस की प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न ने ट्वीट कर कहा कि वह घटनास्थल के लिए रवाना हो रही हैं। हौट-राइन क्षेत्र के स्थानीय प्रशासन ने कहा कि विंटज़ेनहेम शहर में दिव्यांगजनों के विश्राम गृह में सुबह करीब साढ़े छह बजे आग लग गई, जिसके बाद 17 लोगों को वहां से निकाला गया, जिनमें गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया। फ्रांस के अग्निशमन विभाग ने दमकल की चार गाड़ियों के साथ 76 कर्मियों को मौके पर तैनात किया गया, जिन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने घटना पर एक ट्वीट में कहा, इस हादसे के मद्देनजर मेरी संवेदनाएं मृतकों, घायलों और उनके परिवारों के साथ हैं। हमारे सुरक्षा बलों और आपातकालीन सेवाओं को धन्यवाद।

ब्रिटेन के शाही परिवार में भी होते हैं झगड़े, फेंकते हैं एक दूसरे पर बर्तन

लंदन । आम परिवारों में तो लड़ाई-झगड़े होते ही हैं, लेकिन आपको बता दें कि ब्रिटेन के शाही परिवार में भी यह प्रचलन में है। यहां तक कि प्रिंस विलियम और केट के बीच बर्तन फेंकने तक की नौबत आती है। इस बात का लेखक टॉम क्विन ने दावा किया है कि लोगों की नजर में प्रिंस विलियम और केट मिडलटन एक आदर्श कपल लगते हैं, लेकिन असलियत यह है कि महल के दरवाजों के पीछे वे लड़ते-झगड़ते हैं। टॉम क्विन ने बताया कि यह लड़ाई मामूली नहीं होती, वे एक दूसरे पर सामान भी फेंकते हैं। लेखक ने अपनी नई किताब 'गिल्डेड यूथ- एन इंटिमेट हिस्ट्री' में शाही जोड़ों की लड़ाई के बारे में लिखा है। लेखक ने बताया कि दुनिया के किसी भी अन्य विवाहित जोड़े की तरह, दोनों के बीच लड़ाई होती है। उनके स्वभाव के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि दोनों भले ही शांत दिखें, लेकिन विलियम बहुत गुस्सैल हैं। हालांकि केट बहुत शांत दिखती हैं। लेकिन यह हमेशा सच नहीं होता। प्रिंस विलियम टकराव से बचते हैं, लेकिन जल्दी ही वह क्रोधित भी हो जाते हैं। इसका एक उदाहरण हैरी की किताब में देखने को मिलता है। हालांकि केट बहुत ही शांतचित हैं, जिसके चलते टकराव नहीं बढ़ता। प्रिंस विलियम और केट मिडलटन के रिश्ते में कुछ आकर्षक पहलू भी हैं। लेखक ने दावा किया कि केट प्यार से विलियम को बेब कहकर बुलाती है और वह कुछ और नामों से भी उनको पुकारती हैं। जिनमें 'बेबीकिंस' और चिढ़ाने वाला 'डचेस ऑफ डूलिटल' शामिल है। वे एक-दूसरे का मजाक भी उड़ाते हैं, खासकर जब प्रिंस विलियम के पतले बालों की बात आती है। टॉम क्विन के अनुसार, केट मिडलटन उन्हें प्यार से 'गंजा' कहकर चिढ़ाती थीं।

नोर्वे में डोका नदी में आई बाढ़ के बाद पूरे इलाके में पानी भर गया।

सनकी तानाशाह किम जोंग उन ने सेना के शीर्ष जनरल को किया बर्खास्त

सियोल । उत्तर कोरिया ने युद्ध का आह्वान कर दिया है, इसके लिए सनकी तानाशाह किम जोंग उन ने सेना के शीर्ष जनरल को बर्खास्त कर दिया है। अब यहां पर पूरी तरह से युद्ध की तैयारी की जहा रही है। बताया जा रहा है कि सनकी तानाशाह ने युद्ध की संभावना के बीच देश में अधिक से अधिक हथियारों के उत्पादन में वृद्धि करने और सैन्य अभ्यास का विस्तार करने का आह्वान किया है। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि किम जोंग ने केंद्रीय सैन्य आयोग की एक बैठक में यह टिप्पणी की, जिसमें उत्तर कोरिया के दुश्मनों को रोकने के लिए जवाबी कदमों की योजना पर चर्चा की गई। हालांकि, दुश्मनों का नाम नहीं बताया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तानशाह ने जनरल स्टाफ प्रमुख पाक सु इल की जगह जनरल री योंग गिल को सेना का शीर्ष जनरल नामित किया है। हालांकि, यह नहीं बताया गया है कि जनरल री रक्षा मंत्री के रूप में भी अपनी भूमिका में बरकरार रहेंगे या नहीं। हलांकि रिपोर्ट में विवरण दिए बिना कहा गया है कि किम जोंग ने हथियार उत्पादन क्षमता के विस्तार का लक्ष्य भी रखा है। पिछले सप्ताह उन्होंने हथियार कारखानों का दौरा किया था, जहां उन्होंने अधिक मिसाइल इंजन, तोपखाने और अन्य हथियार बनाने का आह्वान किया था। जारी तस्वीरों में किम को मानचित्र पर सियोल और दक्षिण कोरियाई राजधानी के आसपास के इलाकों की ओर इशारा करते हुए दिखाया गया है। इधर संयुक्त राज्य अमेरिका ने उत्तर कोरिया पर यूक्रेन में युद्ध के लिए रूस को हथियार मुहैया कराने का आरोप लगाया है, जिसमें तोपखाने के गोले, रॉकेट और मिसाइलें शामिल हैं।

चीनी नौसेना से निपटने भारत की शरण में आए क्वॉड देश और फ्रांस

-मलक्का से घेरेंगे सबमरीन और युद्धपोत, कंबोडिया के खिलाफ अंडमान से रचेंगे चक्रव्यूह

बीजिंग (एजेंसी)। क्वॉड देश और फ्रांस को डराने के लिए चीन ने भले ही अपने युद्धपोत हिंदमहासागर में उतार दिए हैं, लेकिन कंबोडिया के नेवल बेस को ध्वस्त करने के लिए भारत की ओर से अंडमान में विशालकाय व्यूह रचना तैयार कर ली है, ताकि ड्रेगन को तुरंत जवाब दिया जा सके। बताया जा रहा है कि चीनी ड्रैगन की नौसेना ने दक्षिण चीन सागर के बाद अब हिंद महासागर में भी पैर पसारना शुरू कर दिया है। चीन के महाविनाशक युद्धपोत और किलर पनडुब्बियां अब हिंद महासागर के चक्कर लगा रहे हैं। यही नहीं चीन ने हिंद महासागर के प्रवेश द्वार पर कंबोडिया में विशाल नेवल बेस बना लिया है। चीन की बढ़ती दादागिरी से निपटने के लिए अब क्वॉड देश और फ्रांस भारत की शरण में आ गए हैं। क्वॉड देश और फ्रांस अब अंडमान और निकोबार द्वीप को सैन्य किले के रूप में विकसित करने में भारत की मदद कर रहे हैं। दरअसल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह मलक्का स्ट्रेट के पास स्थित हैं जो चीन की दुखती रग है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंडोनेशिया से सटा मलक्का स्ट्रेट काफी संकरा है और इसी वजह से चीन की सबमरीन को ऊपर आने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

चीन की नौसेना को घेरने के लिए मलक्का स्ट्रेट सबसे मुफीद जगह बन गया है। यही वजह है कि चीन अक्सर खौफ में रहता है और यही वजह है कि उसे कंबोडिया में नौसैनिक अड्डा बनाना पड़ा है। दुनिया की फैक्ट्री चीन का अरबों डॉलर का व्यापार मलक्का स्ट्रेट के जरिए होता है। लेकिन चीन को हमेशा डर बना रहता है कि भारत और पश्चिमी देश उसे मलक्का स्ट्रेट में घेर सकते हैं। गौरतलब है कि अमेरिका का नेवल बेस डियागो गार्सिया भी हिंद महासागर में स्थित है। यहां परमाणु बॉम्बर से लेकर पनडुब्बियां तक तैनात रहती हैं। इसी मलक्का दुविधा से बचने के लिए चीन अब पाकिस्तान के रास्ते जमीनी रास्ता भी बना रहा है ताकि उसे अरब सागर तक सीधी पहुंच मिल जाए।

इधर भारत भी चीन की बढ़ती दादागिरी से निपटने के लिए अंडमान निकोबार में तीनों ही सेनाओं की कमान बना चुका है। अंडमान निकोबार द्वीप समूह में कुल 572 द्वीप हैं और हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन को रोकने के लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। इस महीने ही क्वॉड सदस्य देश जापान के मिसाइलों से लैस घातक डेस्ट्रायर समीदारे ने अंडमान निकोबार की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का दौरा किया था। इस दौरे का उद्देश्य अपने सहयोगी देशों के साथ दोस्ती बढ़ाना था।

तीन दिन पहले भंग हुई पाकिस्तान की संसद, आम चुनाव का रास्ता साफ

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की संसद को निर्धारित कार्यकाल के तीन दिन पहले ही भंग कर दिया गया। अब यहां आम चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सलाह पर राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने संसद के निचले सदन 'नेशनल असेंबली को उसके पांच साल के संवैधानिक कार्यकाल की समाप्ति से तीन दिन पहले भंग कर दिया। इसके साथ ही देश में आम चुनाव कराने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। निचले सदन को भंग करने के लिए जारी अधिसूचना में कहा गया कि नेशनल असेंबली को संविधान के अनुच्छेद 58 के तहत भंग कर दिया गया है।

शहबाज शरीफ ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर नेशनल असेंबली भंग करने की सिफारिश की थी। हालांकि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार और दो दिन सत्ता में रह सकती थी और 11 अगस्त को संसद भंग करना चाहती थी, लेकिन उसका मानना है कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान की पार्टी के पूर्व नेता राष्ट्रपति अल्वी निचले सदन को भंग करने के लिए तुरंत अधिसूचना जारी करने से इनकार कर सकते हैं।

जानकारी के अनुसार, पीएम शहबाज शरीफ ने बुधवार देर रात राष्ट्रपति अल्वी को नेशनल असेंबली भंग करने के लिए एक पत्र भेजा, जिससे कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो सकेगी। संसद के निचले सदन का कार्यकाल समाप्त होने से तीन दिन पहले प्रधानमंत्री शहबाज की ओर से इसे भंग करने की सलाह राष्ट्रपति अल्वी को भेजी गई है। नेशनल असेंबली समय से पहले भंग होने की सूरत में पाकिस्तान निर्वाचन आयोग 90 दिनों के भीतर चुनाव कराएगा।

बाइडेन की हत्या की धमकी देने वाले शख्स को एफबीआई ने किया ढेर, ट्रंप का था कट्टर समर्थक

वाशिंगटन (एजेंसी)। एफबीआई ने कहा कि उसके एजेंटों ने एक रेड के दौरान यूटा में एक व्यक्ति को गोली मारी है। एक सूत्र ने कहा कि उस व्यक्ति को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और कानून प्रवर्तन अधिकारियों के खिलाफ धमकी देने के आरोप में निशाना बनाया गया था। साल्ट लेक सिटी में एफबीआई ने कहा कि गोलीबारी तड़के हुई जब एजेंटों ने साल्ट लेक सिटी के दक्षिण में प्रोवो में एक आवास पर गिरफ्तारी और तलाशी वारंट देने का प्रयास किया।

एफबीआई ने उस व्यक्ति की पहचान नहीं की या यह नहीं बताया कि वह गिरफ्तारी की मांग क्यों कर रही थी। एक बयान में कहा गया कि एफबीआई हमारे एजेंटों या टास्क फोर्स के सदस्यों से जुड़ी सभी गोलीबारी की घटनाओं को गंभीरता से लेती है। बयान में कहा गया है कि घटना की समीक्षा की जा रही है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा, बिडेन, जो बुधवार को यूटा का दौरा करने वाले थे, को एफबीआई छापे के बारे में जानकारी दी गई, उन्होंने इस मामले पर एफबीआई को आगे के सवालों का जिक्र किया। यू.एस. द्वारा रॉयटर्स के साथ साझा की गई एक संघीय शिकायत में यूटा के अटॉर्नी कार्यालय ने संदिग्ध का नाम क्रेग रॉबर्टसन बताया। शिकायत से पता चलता है कि उसने सितंबर में बिडेन और हैरिस की हत्या का आह्वान करते हुए ऑनलाइन पोस्ट किया था। उन्होंने कथित तौर पर बिडेन की निर्धारित यूटा यात्रा से पहले उनके खिलाफ ऑनलाइन धमकियां भी दीं। शिकायत से पता चलता है कि उस व्यक्ति ने मैनहट्टन जिला अटॉर्नी एल्विन ब्रैग के खिलाफ भी धमकियां दीं क्योंकि ब्रैग ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ आपराधिक जांच का नेतृत्व किया था और अमेरिकी अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड के खिलाफ भी धमकियां दीं। शिकायत के साथ संलग्न एक पोस्ट में, संदिग्ध ने कहा कि वह ब्रैग को 'खत्म करने के अपने सपने को पूरा करने' के लिए न्यूयॉर्क जा रहा था।

पीएम मोदी न तो वाजपेयी और न ही मनमोहन सिंह, वो तो... बिलावल भुट्टो के फिर बिगड़े बोल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में आर्थिक के साथ ही राजनीतिक अस्थिरता लगातार बरकरार है। वहीं पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने देश की राष्ट्रीय सभा यानी संसद के निचले सदन को भंग कर दिया। मुल्क इन दिनों दो तरफा राजनीतिक और आर्थिक मुसीबतों से दो चार हो रहा है। लेकिन पाकिस्तान का भारत राग खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एक बार फिर से जगह उगला है। उन्होंने कहा कि गुजरात के कसाई थे और कश्मीर के कसाई बन जाएंगे। विदेश मंत्री के रूप में अपने विदाई संवाददाता सम्मेलन में बिलावल ने अपनी विदेश नीति का बचाव किया और कहा कि भारत के साथ संबंधों को सामान्य बनाने में प्रगति की कमी का संबंध वर्तमान भारतीय नेतृत्व से है।

बिलावल ने पीएम मोदी को भारत के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों के समकक्ष रखने से इनकार कर दिया और उनको लेकर कई आपत्तिजनक बातें कहीं। बिलावल ने कहा कि नरेंद्र मोदी न तो अटल बिहारी वाजपेयी हैं और न ही मनमोहन सिंह। वो गुजरात के कसाई थे और कश्मीर का कसाई बनेंगे। उन्होंने सबसे पहले पिछले साल संयुक्त राष्ट्र सत्र के इतर मोदी को गुजरात का कसाई कहा था। उनकी टिप्पणियाँ उनके शुरुआती वक्तव्य से भी विरोधाभासी थीं जहाँ उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला था कि उनकी विदेश नीति तीन प्रमुख सिद्धांतों पर आधारित थी। उन सिद्धांतों में से एक में निष्पक्ष नीति का पालन करना शामिल है और एक जो लोकलुभावनवाद पर आधारित नहीं था। हालाँकि, मोदी की उनकी नए सिरे से ब्रांडिंग को लोकप्रिय भावनाओं को जगाने के प्रयास के रूप में देखा जाएगा।

इस बीच, विदेश मंत्री बिलावल ने अपने 16 महीने के कार्यकाल के दौरान विदेश नीति के मोर्चे पर कई उपलब्धियां गिनाईं। अफगानिस्तान और भारत पर प्रगति की कमी पर बिलावल ने कहा कि आप क्या उम्मीद करते हैं? हमें 16 महीने में बदलाव लाना चाहिए जो 70 साल में नहीं हुआ। आतंकवाद में वृद्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए बिलावल ने कहा कि यह स्पष्ट है कि अफगान तालिबान की वापसी से प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का हौसला बढ़ा है।

अमेरिका के कहने पर गिरी थी इमरान की सरकार?

इस्लामाबाद। पाकिस्तान से सत्ताबदर किए गए नियाजी इमरान खान को लेकर अमेरिकी मीडिया की तरफ से एक बड़ा दावा किया गया है। अमेरिकी मीडिया कुछ पाकिस्तानी दस्तावेजों के हवाले से कहा कि रूस-यूक्रेन विवाद में तटस्थता की वजह अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इमरान कान को पीएम पद से हटाने के लिए प्रोत्साहित किया। द इंटरसेप्ट द्वारा प्राप्त एक लीक पाकिस्तानी सरकारी दस्तावेज के अनुसार, यूक्रेन पर रूसी आक्रमण पर अपने तटस्थ रुख के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2022 में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को प्रभावित किए जाने की संभावना जताई गई है। द इंटरसेप्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी दस्तावेज़ में बताया गया है कि 7 मार्च, 2022 को अमेरिका में पाकिस्तानी राजदूत असद मजीद खान और डोनाल्ड लू सहित अमेरिकी विदेश विभाग के दो अधिकारियों की एक बैठक में क्या हुआ।

अब भारत के इस पड़ोसी देश ने जला दी 1-2 नहीं बल्कि 45 कुरान, 52 इस्लामिक देश भी हुए हैरान

ढाका (एजेंसी)। कुरान की प्रति को जलाने की खबरें आपको लगातार पढ़ने और देखने को मिल रही है। स्वीडन और डेनमार्क जैसे देशों में कुरान जलाने की खबरें आ रही हैं। इस तरह की घटनाओं धीरे-धीरे पूरे यूरोप में बढ़ती जा रही है। कुरान की बेअदबी किए जाने की घटनाओं को लेकर मुस्लिम देशों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। डेनमार्क और स्वीडन द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करने वाले नियमों के तहत कुरान जलाने की अनुमति देने के बाद ईरान और इराक में विरोध प्रदर्शन भड़क उठे। लेकिन इसी बीच एक ऐसी घटना हुई है जिसने मुस्लिम देशों के साथ-साथ पूरी दुनिया को ही हैरान करके रख दिया है। इस बार तो एक मुस्लिम देश में कुरान जलाई गई है और कुरान जलाने वाले भी मुस्लिम लोग हैं।

इस्लामिक बहुल देश बांग्लादेश में कुरान जलाने की घटना सामने आई है। दो लोगों ने मिलकर पवित्र कुरान की प्रतियों को आग के हवाले कर दिया। इसके विरोध में बांग्लादेश की सड़कों पर हजारों लोग उतर आए। पुलिस ने कहा कि रविवार रात कम से कम 10,000 लोग सड़कों पर उतर आए और उन्होंने पवित्र पुस्तक को नष्ट करने के आरोपी दो लोगों पर हमला करने की कोशिश की। एएफपी ने पुलिस अधिकारी अजबहार अली शेख के हवाले से कहा कि स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश में कम से कम 14 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

आरोपी कौन हैं?

पुलिस ने नुरुर रहमान नाम के एक स्कूल प्रिंसिपल और उसके सहयोगी महबूब आलम को दोषियों के रूप में पहचाना है और उन्हें पूर्वोत्तर शहर सिलहट से हिरासत में लिया है। सिलहट मुस्लिम-बहुल देश के सबसे रूढ़िवादी हिस्सों में से एक है। पुलिस ने उनके पास से जलि हुई कुरान की कम से कम 45 प्रतियां भी जब्त कीं। आरोपी लोगों का दावा है कि नष्ट की गई कुरान बहुत पुरानी थीं और उनकी छपाई में कुछ गलतियाँ थीं। मुस्लिम विद्वानों के अनुसार, पवित्र पुस्तक का निपटान तभी स्वीकार्य है जब सम्मानपूर्वक किया जाए।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी के सेमीफाइनल में भारत और जापान का मुकाबला आज

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम शुक्रवार को एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी (एसीटी) में जापान से होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन कर फाइनल में जगह बनाने के इरादे से उतरेगी। पिछले मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ मिली शानदार जीत से भारतीय टीम के हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम का लक्ष्य सेमीफाइनल में जापान के खिलाफ आक्रामक रणनीति अपनाकर हावी रहना रहेगा। अब तक इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अजेय रही है। राउंड रॉबिन चरण में चार मैच जीतकर और एक ड्रा खेलकर भारतीय टीम अंक तालिका में शीर्ष पर है। इसके बाद भी भारतीय टीम जापान को हल्के में नहीं लेना चाहेगी। इसका कारण है कि जापान को भी अब तक इस टूर्नामेंट में हार नहीं मिली है। दोनों टीमों के बीच लीग चरण का मैच भी 1-1 से बराबरी पर रहा था हालांकि अगर विश्व रैंकिंग की बात की जाए तो दोनों टीमों के बीच काफी बड़ा अतर है जिसमें भारतीय चौथे और जापान 19वें स्थान पर है। ऐसे में इस मैच में भारतीय टीम को जीत का प्रबल दावेदार मानना जा रहा है।

इसके बाद भी भारतीय टीम जापान को कम नहीं आंकेगी। इसका कारण है कि ढाका में 2021 चरण के सेमीफाइनल में उसे जापान से ही 3-5 से हार का सामना करना पड़ा था जबकि राउंड रॉबिन चरण में उसने उसपर 6-0 से जीत हासिल की थी। भारतीय टीम ने ने अभी तक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 20 गोल किए हैं पर जापान के खिलाफ लीग मैच में खिलाड़ियों ने गोल करने के अवसर गंवा दिए थे। इसलिए अब भारतीय टीम को जापान के खिलाफ कल होने वाले मुकाबले में अपनी खराब 'फिनिशिंग को बेहतर करन होगा। भारतीय टीम जापान के खिलाफ लीग मैच में 15 पेनल्टी कॉर्नर में से केवल एक को ही भुना पायी थी। इसलिए अब सेमीफाइनल में मेजबान टीम को कोई गलती नहीं करनी होगी। पाकिस्तान पर भारत की 4-0 की जीत के बाद कोच ने कहा कि उनकी टीम के लिए मैच के चारों क्वार्टर में निरंतरता बरकरार रखना अहम होगा। फुल्टन ने कहा, ''हमने पाक के खिलाफ हर क्वार्टर में अच्छी निरतंरता दिखाई जो हमने जापान के खिलाफ लीग मैच के दौरान 1-1 से ड्रा रहे मैच में भी दिखायी थी। उस मैच में हमने जापान की तुलना में प्रत्येक क्वार्टर में सर्कल के अंदर काफी ज्यादा बार हमले किये थे। हम अपनी इसी निरंतरता को बनाये रखने का प्रयास करेंगे। भारतीय टीम के उप कप्तान और मिडफील्डर हार्दिक सिंह का भी मानना है कि जापान के खिलाफ अधिक से अधिक गोल करने के लिए 'बॉक्स के अंदर पहुंचकर शॉट लगाने के

अलावा अधिक संयम रखने की भी जरूरत रहेगी। उन्होंने कहा, 'हमें इसी लय के जारी रखने की उम्मीद है। लेकिन हमें फिर भी बॉक्स के अंदर अधिक संयम की जरूरत होगी, जो बहुत ही अहम हिस्सा है। साथ ही हमें खेल की लय भी तय करनी होगी। जहां तक जापान की बात उसने पाक के मुकाबले बेहतर गोल अंतर से सेमीफाइनल में जगह बनाई है। टूर्नामेंट में उसके प्रदर्शन की बात की जाए तो उसका प्रदर्शन इतना प्रभावी नहीं रहा क्योंकि टीम केवल एक जीत ही हासिल कर पाई और एक मैच में उसके हार का सामना करना पड़ा है जबकि उसके दो मैच बराबरी पर रहे।

नेशनल बैंक ओपनः शीर्ष रैंकिंग पर काबिज इगा स्वियातेक ने कैरोलिना प्लिस्कोवा को हराया

मांट्रियल। (एजेंसी)। शीर्ष रैंकिंग पर काबिज टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने पहले सेट में मिली चुनौती से पार पाते हुए नेशनल बैंक ओपन के दूसरे दौर कैरोलिना प्लिस्कोवा को 7-6 (6), 6-2 से शिकस्त दी। अब स्वियातेक का सामना 14वीं वरीय कैरोलिना मुचोवा से होगा जिन्होंने सोराना क्रिस्टी पर 7-5, 6-4 से जीत हासिल की। स्वियातेक इस साल फ्रेंच ओपन के फाइनल में मुचोवा को हरा चुकी हैं। रात्रि सत्र में दूसरी रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने पेट्रा मार्टिच को 6-3, 7-6 (5) से पराजित किया।

विम्बलडन चैम्पियन और नौवीं वरीय मार्केटा वोंद्रोयूसोवा ने कैरोलिन वोज्नियाकी को 6-2, 7-5 से शिकस्त दी और अब उनकी भिड़ंत छठी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ से होगी जिन्होंने पिछले हफ्ते वाशिंगटन में अपना चौथा करियर खिताब जीता था। तीसरी वरीयता प्राप्त एलिना रिबाकिना ने जेनिफर ब्रैडी को 6-7(3), 7-6(5), 6-3 से, चौथी वरीय जेसिका पेगुला ने यूलिया पुतिंतसेवा को 6-4, 6-4 से और 10वीं वरीय दारिया कसातकिना ने अन्ना ब्लिंकोवा को 6-2, 7-5 से हराया। सातवीं वरीय और 2012 की विजेता पेत्रा क्वितोवा भी अगले दौर में जगह बनाने में सफल रही, उन्होंने 2021 की चैम्पियन कैमिला जियार्जी को 6-2, 5-7, 6-0 से मात दी।

अंतिम बार विश्वकप खेलते दिखेंगे रोहित, विराट और जडेजा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम में कप्तान रोहित शर्मा, अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सहित कई खिलाड़ी 35 के करीब पहुंचने जा रहे हैं। ऐसे में ये विश्वकप इन खिलाड़ियों का अंतिम विश्वकप होगा। 35 साल के कप्तान रोहित की फिटनेस को लेकर हमेशा से सवाल खड़े होते रहे हैं। वह चाहेंगे कि भारत विश्व विजेता बने और इसके साथ ही उनकी कैबिनेट में एक और आईसीसी ट्रॉफी आ जाए। वह 2007 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। 2019 में उन्होंने इंग्लैंड में खूब रन बनाये थे। इस बार भी उनसे वैसे ही प्रदर्शन की उम्मीदें हैं

वहीं पूर्व कप्तान विराट कोहली विश्व के सबसे फिट खिलाड़ियों में शामिल हैं वह भी 35 वर्ष के होने जा रहे हैं। ऐसे में अगला विश्वकप खेलना उनके लिए भी संभव नहीं है। ऐसे में माना जा रहा है कि युवाओं को अवसर देने वह आगे नहीं खेलेंगे। वैसे भी जिस प्रकार युवा खिलाड़ी सामने आ रहे हैं। उससे अनुभवी खिलाड़ियों के लिए टीम में बने रहना मुश्किल होता जा रहा है। इसके अलावा रविंद्र जडेजा भी अभी 34 वर्ष के हैं। ऐसे में अगले विश्वकप तक उनकी उम्र भी अधिक हो जाएगी ओर ऐसे में उनके लिए भी ये अंतिम विश्वकप होगा। वह तीनों फॉर्मेट खेलते हैं और इसके अलावा आईपीएल भी है। टीम इंडिया में जिस प्रकार अक्षर पटेल सहित कई अन्य ऑलराउंडर सामने आ रहे हैं ऐसे में जडेजा का आगे खेलना संभव नहीं है। इसके अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और स्पिन आर अश्विन भी 35 साल के हो गये हैं और ऐसे में अगले विश्वकप तक ये दोनो ही चालीस के करीब पहुंच जाएंगे और इसलिए इनका टीम में रहना संभव नहीं लगता।

एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीत सकती है भारतीय महिला टीम : राजेश्वरी गायकवाड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी राजेश्वरी गायकवाड़ को लगता है कि राष्ट्रमंडल खेलों में गोल्ड मेडल से चूकने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगले महीने चीन के हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करेगी।

दरअसल, पिछले साल भारतीय टीम बर्मिंघम में महिला क्रिकेट ने राष्ट्रमंडल खेलों में डेब्यू किया था। जिसमें टीम गोल्ड जीतने से चूक गयी थी। उसे फाइनल में आस्ट्रेलिया से हार मिली थी। वहीं हाल के वर्षों में टीम को बड़े टूर्नामेंट के तीन फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय महिला टीम ने आईसीसी (आईसीसी) की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के आधार पर सीधे एशियाई खेलों के क्वार्टरफाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

इस दौरान बायें हाथ की स्पिनर गायकवाड़ ने पीटीआई से बात करते हुए कहा कि, निश्चित रूप से हम एशियाई खेलों में गोल्ड जीतेंगे। उन्होंने कहा, ''हम सभी बड़ी प्रतिद्वंद्वी टीमों के खिलाफ खेल चुके हैं, लेकिन हम उसके बारे में सोचते नहीं रह सकते, हमें अपनी टीम पर भरोसा है, हम गोल्ड जीत सकते हैं।''

बता दें कि, राजेश्वरी गायकवाड़ भारत के पिछले

दौरे (बांग्लादेश के खिलाफ) पर टीम का हिस्सा नहीं थीं। जिसमें टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज 2-1 से जीती जबकि वनडे सीरीज में 1-1 से बराबर रहीं। गायकवाड़ ने कहा, ''मैं बांग्लादेश दौरे के दौरान रिहैबिलिटेशन में थी और आराम कर रही थी। ऐसा नहीं था कि मुझे टीम से बाहर किया गया था।'' भारत के लिए दो टेस्ट, 64 वनडे और 55 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी स्पिनर इस समय महिला प्रीमियर लीग की टीम यूपी वारियर्स के भारतीय खिलाड़ियों के लिये लगे सत्र से इतर के शिविर में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, ''हमने शिविर में काफी अच्छा काम किया है। हमें किसी विशेष विभाग पर काम करने की जरूरत नहीं है लेकिन उन विभागों में सुधार कर सकते हैं जिसमें हम बेहतर कर सकते थे और हमारा ध्यान सिर्फ इसी पर लगा है।''

गायकवाड़ ने कहा, ''हमारा ध्यान सभी विभागों में सुधार करने पर है, जिसमें फील्डिंग, बल्लेबाजी और गेंदबाजी शामिल है। विशेषकर बल्लेबाजों ने अपने स्ट्रोक्स पर काम करने की कोशिश की है।

विम्बलडन खिताब के बाद पहले मैच में अल्काराज ने शेल्टन को हराया

टोरंटो-विम्बलडन खिताब जीतने के बाद पहला मैच खेल रहे शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने नेशनल बैंक ओपन के दूसरे दौर में बेन शेल्टन को 6-3, 7-6 से मात दी। अमेरिकी ओपन में खिताब का बचाव करने की तैयारी में जुटे अल्काराज ने क्वींस खिताबी जीत से अब तक लगातार 13 मैच जीत लिये हैं, अब उनकी भिड़ंत तीसरे दौर में 15वीं वरीयता प्राप्त हुबर्ट हुर्कावज से होगी जिन्होंने मियोमीर केसमानोविच पर 5-7, 6-3, 6-0 से जीत हासिल की। एंडी मरे ने मैक्स पुर्सेल पर 7-6 (2), 3-6, 7-5 से जीत दर्ज की। अब तीन बार के विजेता मरे का सामना यानिक सिनर से होगा। दूसरे वरीय दानिल मेदवेदेव ने दोपहर के सत्र में माटियो अर्नाल्डी को 6-2, 7-5 से पराजित किया। शीर्ष पांच वरीय खिलाड़ियों में से तीन बाहर हो चुके हैं। गेल मोंफिल्स ने चौथे वरीय स्टेफानोस सिटसिपास को 6-4, 6-3 से हराकर उलटफेर किया जबकि मार्कोस गिरोन ने होल्गन रूने को 6-2, 4-6, 6-3 से मात देकर बाहर किया।

भारतीय टीम में वापसी नहीं, काउंटी में बेहतर प्रदर्शन पर है मेरा ध्यान : पृथ्वी

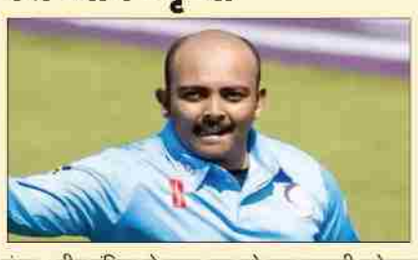

लंदन । टीम इंडिया से बाहर चल रहे युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ आजकल काउंटी क्रिकेट में छाये हुए हैं। पृथ्वी ने यहां शानदार दोहरा शतक लगाया है। इस बल्लेबाज ने रॉयल लंदन वन-डे कप में समरसेट के खिलाफ 153 गेंदों में ही 244 रन बनाकर पहले के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पृथ्वी ने लिस्ट ए क्रिकेट में अब तक की सबसे बड़ी पारी खेलकर दर्शकों को हैरान कर दिया। नॉर्थम्पटनशायर की ओर से खेलते हुए उन्होंने 28 चौके और 11 छक्के लगाये। पृथ्वी की इस पारी से नॉर्थहैम्पटनशायर ने 50 ओवरों में ही आठ विकेट पर 415 रन बनाए और समरसेट को 87 रनों से हरा दिया। पृथ्वी लंबे समय से टीम से बाहर हैं और उम्मीद की जा रही है कि अग वह इसी प्रकार कांउटी में खेलेंगे तो शीघ्र ही उनकी भारतीय टीम में वापसी हो सकती है। पृथ्वी ने अंतिम बार जुलाई 2021 में भारतीय टीम की ओर से खेला था। वहीं इस बल्लेबाज ने कहा कि वह वह भारतीय टीम में अपनी वापसी के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं और इसके जगह इंग्लैंड में खेल का आनंद ले रहे हैं। उन्हें यहां अपने खेल को बेहतर बनाना है। इस युवा बल्लेबाज ने कहा, निश्चित रूप से अनुभव। मैं वास्तव में यह नहीं सोच रहा हूं कि भारतीय चयनकर्ता क्या सोच रहे होंगे, लेकिन मैं बस यहां अच्छा समय बिताना चाहता हूं, यहां के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ अच्छा समय बिताना चाहता हूं। नॉर्थम्पटनशायर ने मुझे अच्छा अवसर दिया है। वे मेरी देखभाल कर रहे हैं। मैं वास्तव में इसका आनंद ले रहा हूं।

एशिया कप 2023: एशिया कप 2023 में टीम इंडिया की जर्सी पर लिखा जाएगा 'पाकिस्तान'

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2023 की मेजबानी पाकिस्तान और श्रीलंका करेंगे। वहीं मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एशिया कप के दौरान पहली बार ऐसा होगा जब भारतीय टीम की जर्सी पर पाकिस्तान का नाम लिखा जाएगा। दरअसल, 30 अगस्त से शुरू होने वाले एशिया कप के 4 मैच पाकिस्तान में जबकि अन्य मुकाबले श्रीलंका में खेले जाएंगे। जबकि टूर्नामेंट का मेजबान इस बार पाकिस्तान है।

टीम इंडिया की जर्सी पर 'पाकिस्तान' नाम

टीम इंडिया टूर्नामेंट के सभी मैच श्रीलंका में खेलेगी। हालांकि, पाकिस्तान एशिया कप का मुख्य होस्ट है इसलिए टीमों को अपनी जर्सी पर पाकिस्तान का नाम

लिखवाना हो सकता है। यही कारण है कि भारत टीम की जर्सी पर पाकिस्तान का नाम लिखा जा सकता है। वहीं टीम इंडिया की जर्सी में पाकिस्तान एशिया कप के लोगो के ठीक नीचे होगा। हालांकि, अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। एशिया कप में भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 2 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ करेगी।

वहीं भारत और पाकिस्तान के बीच ये महामुकाबला श्रीलंका के कैंडी में खेला जाएगा। इस मैच को लेकर हाउसफुल स्टेडियम की उम्मीद की जा रही है। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप स्टेज के अलावा सुपर-4 के चरण में भी एक मुकाबला देखने को मिल सकता है। अगर दोनों टीमें सुपर-4 के लिए क्वालिफाई कर लेती हैं तो दोनों के बीच एक और मुकाबला देखने को मिल सकता है। सुपर-4 के अलावा दोनों के बीच फाइनल में भी भिड़ंत हो सकती है।

जबकि एशिया कप का पहला मुकाबला पाकिस्तान और नेपाल के बीच मुल्तान में खेला जाएगा। इसके बाद बांग्लादेश और श्रीलंका खेला जाएगा। इसके अलावा फाइनल मुकाबला भी श्रीलंका में खेला जाएगा।

जुवेंटस की जर्सी में नजर आयीं अभिनेत्री ईशा

मुम्बई । बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता आजकर इटली में छुट्टियां मना रही हैं। इसी दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो आया है। इसमें ईशा फुटबॉल क्लब जुवेंटस की जर्सी में नजर आ रही हैं। उन्होंने इसे काले रंग की बिकनी बॉटम के साथ जोड़ा था। वह तस्वीर में बेहद आकर्षक नजर आ रही हैं। इसके अलावा बिना मेकअप और बिना जूलरी वाला उनका लुक भी खूबसूरती को बढ़ा रहा है। ईशा ने यह तस्वीर फीफा महिला विश्व कप शुरू होते के समय जारी की थी। उन्होंने लिखा था, मेरे दिमाग में हर जगह जुवेंटस क्लब है, अब सभी इस फीफा महिला विश्व कप के लिए तैयार हैं। ईशा की इस पोस्ट पर बढ़ी तादाद में कमेंट आए हैं। वहीं सात लाख से ज्यादा लोगों ने उनकी तस्वीर को लाइक भी किया।

रिनोवेशन के दौरान ईडन गार्डन में लगी आग

कोलकाता । एकदिवसीय विश्वकप के आयोजन स्थलों में से एक कोलकाता के ईडन गार्डन स्टेडियम में बुधवार रात को अचानक ही आग लग गयी। इससे वहां रख सामान को भी काफी नुकसान हुआ। फायर ब्रिगेड ने काफी प्रयासों के बाद आग पर नियंत्रण किया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चला है पर माना जा रहा है कि शॉट सर्किट के कारण ऐसा हुआ है। ईडन गार्डन में विश्वकप के पांच मैच खेले जाने हैं। जिसमें एक सेमीफाइनल मुकाबला भी है। गौरतब है कि विश्वकप को देखते हुए बीसीसीआई ने गत दिनों सभी 10 आयोजन स्थलों के सुधार और उन्हें बेहतर बनाने के लिए करोड़ों की राशि आवंटित की थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहली मंजिल पर स्थित ड्रेसिंग रूम में देर रात आग लगी। इस दौरान रिनोवेशन का काम कर रहे कर्मचारियों ने तत्काल सुरक्षा गार्डों को इस बारे में जानकारी दी। जिसके बाद फायर ब्रिगेड को जानकारी दी गयी। फायर ब्रिगेड की 2 गाड़ियों ने आधे घंटे के प्रयास के बाद ही आग पर काबू पाया। तब तक स्टोर रूम में बड़ा नुकसान हो गया था। यहां रखे कई सामान जल गए जिसमें खिलाड़ियों का सामान भी था। ईडन गार्डन में सेमीफाइनल सहित 5 मुकाबले खेले जाएंगे।

2011 विश्वकप फाइनल में धोनी ने सबसे महंगे बल्ले से की थी बल्लेबाजी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते हैं। साल 2011 विश्वकप फाइनल में धोनी ने छक्का लगाकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी। तब धोनी ने एक शानदार पारी खेलकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी पर क्या आप जानते हैं इस मैच में धोनी ने जिस बल्ले से खेला था उसकी कीमत क्या थी ? एक रिपोर्ट के अनुसार ये सबसे महंगा बल्ला था और इसकी कीमत एक लाख रुपये थी जबकि आमतौर पर बल्लों की कीमत 4000 रुपये से 10,000 रुपए तक होती है। धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया ने दो विश्व कप जीते है। इसमें एक 2007 टी 20 विश्व कप और फिर 2011 एकदिवसीय विश्व कप। एकदिवसीय विश्व कप में उन्होंने विश्व के सबसे महंगे क्रिकेट बल्ले से खेला था। 2011 विश्वकप में धोनी ने जो बल्ला उपयोग में लाया था वह अंग्रेजी विलो से बना था और इसकी कीमत लगभग एक लाख रुपए थी। धोनी के इस बल्ले को बाद में चैरिटी संस्था के लिए नीलाम कर दिया गया था। जिसमें ये 83 लाख रुपए में बिका था। धोनी के इस बल्ले को ईस्ट मीट्स वेस्ट चैरिटी डिनर नाम की एक चैरिटी संस्था के लिए नीलामी में रखा गया था और तब आरके ग्लोबल शेयर एंड सिक्योरिटीज लिमिटेड ने इसे 100,000 पाउंड (तकरीबन 83 लाख रुपये) से अधिक में खरीदा था।

ऑस्ट्रेलिया को विश्वकप के लिए सबसे प्रबल दावेदार मानते हैं अश्विन

नई दिल्ली । टीम इंडिया के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन का मानना है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम काफी अच्छी है और वह एकदिवसीय विश्वकप कप जीतने की एक बड़ी दावेदार है। विश्वकप भारत में पांच अक्टूबर से शुरु होगा। इसमें भारतीय टीम का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से 8 अक्टूबर को होगा। यह मुकाबला चेन्नई में खेला जाएगा। विश्वकप को लेकर अब तक कई दिग्गजों ने भविष्यवाणी की है। उसी कड़ी में अब अश्विन का मानना है कि है ऑस्ट्रेलियाई टीम सबसे बड़ी दावेदार नजर आ रही है।

विश्व चैंपियनशिप : निशिमोतो से भिड़ेंगे किदांबी, सिंधु को मिला बाई

क्वुआला लंपुर (एजेंसी)। बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के पहले राउंड में भारत की अनुभवी शटलर पीवी सिंधु को बाई दिया गया है, जबकि किदांबी श्रीकांत जापान के केंता निशिमोतो के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेंगे। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने गुरुवार को ड्रॉ आयोजित होने के बाद इसकी पुष्टि की। कुल 16 भारतीय शटलर ड्रॉ का हिस्सा थे, जिनमें से चार एकल स्पर्धाओं में भाग लेंगे।

केवल एचएस प्रणय और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की जोड़ी को शीर्ष 10 में वरीयता दी गयी है। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु (16वीं वरीयता प्राप्त) दूसरे राउंड से अपने अभियान की शुरुआत करेंगी जहां उनका मुकाबला जापान की नोजोमी ओकुहारा और वियतनाम की थुए लिन्ह नुयेन में से किसी एक से भिड़ेंगी। दूसरी वरीयता प्राप्त और पिछले संस्करण के कांस्य पदक विजेता सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को भी बाई मिली है।

विश्व की नंबर दो पुरुष युगल जोड़ी दूसरे दौर में आयरलैंड के जोशुआ मैगी/पॉल रेनॉल्ड्स या ऑस्ट्रेलिया के केनेथ झे हूई चू/मिंग चुएन लिम से भिड़ेगी। भारत के एचएस प्रणय, लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत की स्टार तिकड़ी पुरुष एकल में देश का प्रतिनिधित्व करेगी। पहले दौर में नौवीं वरीयता प्राप्त प्रणय का मुकाबला फिनलैंड के काले कोलजोनेन से होगा, जबकि 11वीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य का मुकाबला मॉरीशस के जॉर्जेस जूलियन पॉल से होगा।

महिला युगल प्रतियोगिता में 15वीं वरीयता प्राप्त त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी पहले राउंड में बाई मिलने के बाद दूसरे राउंड में चीनी ताइपे की चांग चिंग हुई/यांग चिन तुन या एस्टोनिया की केटी-क्रीट मरान/हेलिना रूटेल से भिड़ेगी। अश्विनी भट्ट के. और शिखा गौतम की दूसरी भारतीय महिला युगल जोड़ी नीदरलैंड की देबोरा जिल और चेरिल सेनेन के खिलाफ क्वालीफिकेशन के लिए लड़ेगी।

रोहन कपूर और एन सिक्की रेड्डी की मिश्रित युगल जोड़ी को पहले चरण में स्कॉटलैंड के ऐडम हॉल और जूली मेकफर्सन से भिड़ना होगा। इसी प्रतियोगिता में वेंकट प्रसाद और जुही देवांगन जर्मनी के जोन्स रैल्फी जैनसेन और लिंडा एफ्लर से भिड़ेंगे। बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप का 28वां संस्करण 21 से 27 अगस्त के बीच डेनमार्क के कॉपेनहैगन में खेली जायेगी। इस प्रतियोगिता की पांच अलग-अलग श्रेणियों में 55 देशों के 375 शटलर हिस्सा लेंगे।

रेलवे ने यात्री ट्रेनों में कमाई से अधिक किया खर्च

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेन्सी)। भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने रेल मंत्रालय पर अपनी नवीनतम रिपोर्ट में बताया है कि परिचालन अनुपात (ओआर) 2020-21 में 97.45 प्रतिशत के मुकाबले 2021-22 में 107.39 प्रतिशत था। क्योंकि रेलवे शुद्ध अधिशेष उत्पन्न नहीं कर सका।

8 अगस्त को रेलवे के वित्त पर सीएजी की 2023 की रिपोर्ट संख्या 13 में बताया गया कि 'बजट अनुमान में 96.15 प्रतिशत के लक्ष्य के मुकाबले, 2021-22 में रेलवे का परिचालन अनुपात 107.39 प्रतिशत था'।

रिपोर्ट में कहा गया, 'इसका मतलब है कि रेलवे ने 100 रुपये कमाने के लिए 107.39 रुपये खर्च किए। 2020-21 के दौरान 97.45 प्रतिशत के परिचालन अनुपात की तुलना में, 2021-22 में गिरावट आई।'

ऑपरेटिंग अनुपात कामकाजी खर्चों के अनुपात को दर्शाता है और उच्च अनुपात अधिशेष उत्पन्न करने की खराब क्षमता को इंगित करता है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर रेलवे के पेंशन भुगतान पर खर्च को पूरा करने के लिए आवश्यक 51,215.94 करोड़ रुपये की वास्तविक राशि (48,100 करोड़ रुपये के बजाय) पेंशन फंड में विनियोजित की गई होती, तो रेलवे के कामकाजी खर्च में वृद्धि होती।

'बढ़े हुए कामकाजी खर्चों के साथ, 2021-22 में ओआर 107.39 प्रतिशत के बजाय 109.02 प्रतिशत होगा। इस प्रकार रेलवे द्वारा दिखाया गया 107.39 प्रतिशत का ओआर रेलवे के वास्तविक वित्तीय प्रदर्शन को नहीं दर्शाता है।'

रिपोर्ट में कहा गया है, 'फिर से, अगर रेलवे के डीआरएफ भुगतान पर व्यय को पूरा करने के लिए आवश्यक वास्तविक राशि (661.01 करोड़ रुपये) को डीआरएफ (शून्य के बजाय) में विनियोजित किया गया होता, तो रेलवे के कामकाजी खर्च में वृद्धि होती। बढ़े हुए कामकाजी खर्चों के साथ, 2021-22 में ओआर 107.39 प्रतिशत के बजाय 109.36 प्रतिशत होगा। इस प्रकार रेलवे द्वारा दिखाया गया 107.39 प्रतिशत का ओआर रेलवे के वास्तविक वित्तीय प्रदर्शन को नहीं दर्शाता है।'

लेखापरीक्षा विश्लेषण से यह भी पता चला कि छह जोनल रेलवे - पूर्वी तट, उत्तर मध्य, दक्षिण मध्य, दक्षिण पूर्वी, दक्षिण पूर्व मध्य और पश्चिम मध्य रेलवे का परिचालन अनुपात 100 प्रतिशत से कम था, इसमें पूर्वी तट का परिचालन अनुपात 54.58 प्रतिशत पर सर्वोत्तम था।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'हालांकि ग्यारह जोनल रेलवे - मध्य, पूर्वी, पूर्व मध्य, उत्तरी, उत्तर पूर्वी, पूर्वोत्तर सीमांत, उत्तर पश्चिमी, दक्षिणी, दक्षिण मध्य, दक्षिण पश्चिमी, पश्चिमी और मेट्रो रेलवे/कोलकाता, रेलवे का परिचालन अनुपात 100 प्रतिशत अधिक था। 2021-22 के दौरान, मेट्रो रेलवे/कोलकाता का परिचालन अनुपात 432.19 प्रतिशत के साथ सबसे खराब रहा। इसका तात्पर्य यह है कि इन रेलवे का कामकाजी व्यय उनकी यातायात आय से अधिक था।'

कैग ने रेलवे को सुझाव दिया कि उसे यात्री परिचालन की लागत का गंभीरता से विश्लेषण करने और अपने घाटे को कम करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है।

अश्विास प्रस्ताव की शक्ति ने पीएम को संसद तक खींचा : अधीर चौधरी

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेन्सी)। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अविश्वास प्रस्ताव की ताकत ऐसी है कि इसने पीएम को सदन में आने के लिए मजबूर कर दिया जिन्होंने अन्यथा संसद में न आने की कसम खा रखी थी।

चौधरी ने यह टिप्पणी लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर बोलते हुए की, जब प्रधानमंत्री सतारूढ़ गठबंधन के सदस्यों द्वारा 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों के बीच सदन में पहुंचे। जवाब में विपक्षी सदस्यों ने भी 'इंडिया'- 'इंडिया' के नारे लगाए।

चौधरी ने कहा, 'बहुमत का बाहुबल आपके पास है, लेकिन हमें ये अविश्वास प्रस्ताव क्यों लाना पड़ा उसको थोड़ा समझने की कोशिश करते हैं।'

कांग्रेस नेता ने कहा, 'अविश्वास प्रस्ताव की शक्ति आज प्रधानमंत्री को संसद में ले आई है। हममें से कोई भी इस अविश्वास प्रस्ताव के बारे में नहीं सोच रहा था। हम केवल मांग कर रहे थे कि प्रधानमंत्री को संसद में आना चाहिए और मणिपुर मुद्दे पर बोलना चाहिए। हम किसी भाजपा सदस्य से संसद में आने की मांग नहीं कर रहे थे, हम केवल अपने प्रधानमंत्री से आने की मांग कर रहे थे।'

भारत छोड़ो आंदोलन का जिक्र करते हुए चौधरी ने कहा कि यह भाजपा के पूर्वज ही थे जिन्होंने अंग्रेजों से हाथ मिलाया था। भगवाकरण और ध्रुवीकरण के खिलाफ इसी तरह का एक और आंदोलन होना चाहिए।

चौधरी ने कहा, 'हम प्रधानमंत्री को बताना चाहते हैं कि आप 100 बार पीएम बन सकते हैं, हमें इससे कोई दिक्कत नहीं है। हमें सिर्फ देश के आम लोगों की चिंता है। जब हम मणिपुर गए तो वहां के लोगों की हालत देखी। प्रधानमंत्री को राज्य का दौरा करना चाहिए था और शांति की अपील करनी चाहिए थी। उन्हें अपने 'मन की बात' मणिपुर के लोगों के साथ करनी चाहिए थी।'

उन्होंने कहा, 'मणिपुर में हिंसा कोई छोटी बात नहीं है... जब प्रधानमंत्री यूरोप और अमेरिका के दौरे पर थे, दोनों देशों में यह एक बड़ा मुद्दा रहा था।'

चौधरी ने कहा, 'हमने देखा कि कैसे मणिपुर में महिलाओं को नग्न करके घुमाया गया और मार डाला गया। हस्तिनापुर में राजा धृष्टराष्ट्र के सामने द्रौपदी के कपड़े उतार दिए गए, जो अंधे थे। मणिपुर और हस्तिनापुर में जो हुआ उसमें कोई अंतर नहीं है... राजा आज भी अंधे हैं।' कांग्रेस नेता की टिप्पणियों पर सत्तारूढ़ दल के सदस्यों की तरफ से भारी हंगामा हुआ और संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि चौधरी सदन में बकवास कर रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी चौधरी से प्रासंगिक मुद्दों पर बोलने का आग्रह किया।

हंगामे के बीच चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का बिल राज्यसभा में पेश

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेन्सी)। जबरदस्त हंगामे के बीच राज्यसभा में गुरूवार को मुख्य चुनाव आयुक्त व अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा बिल पेश किया गया। इसके विरोध में विपक्षी सांसदों ने जबरदस्त नारेबाजी की।

इस दौरान इंडिया गठबंधन से जुड़े विपक्ष के अधिकांश सांसद सभापति के आसन के निकट वेल में आ गए। सदन की कार्यवाही के लिए नियम पुस्तिका दिखा रहे कुछ सांसदों ने इस दौरान सभापति के आसन तक पहुंचने की भी कोशिश की।

हालांकि, इन सांसदों को रोकने के लिए तुरंत ही गार्ड तैनात कर किए गए, ताकि विरोध जता रहे सांसद सभापति के आसन तक न पहुंच सके।

राज्यसभा में हुए इस जबरदस्त हंगामे के बाद सदन की कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

इसी वर्ष मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने अपने फैसले में कहा था कि चुनाव आयुक्तों का चयन राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश वाले पैनल की सलाह पर किया जाएगा।

वहीं, केंद्र सरकार एक ऐसा कानून बनाने के लिए यह विधेयक लाई है, जिसमें चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया में मुख्य न्यायाधीश की भूमिका नहीं होगी।

राज्यसभा में लाए गए इस विधेयक के मुताबिक चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री की समिति की सिफारिश के आधार पर की जाएगी।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने देश के मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश की भूमिका तय की थी। सरकार के इस विधेयक में प्रस्ताव किया गया है कि है कि चुनाव आयुक्त की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रधान मंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधान मंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री की समिति की सिफारिश पर की जाएगी।

सरकार द्वारा लाए जा रहे इस नए बिल के मुताबिक प्रधानमंत्री इस पैनल की अध्यक्षता करेंगे। कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी, आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, सपा व आरजेडी समेत इंडिया गठबंधन के दल इस विधेयक के खिलाफ हैं।

विपक्ष के सांसदों रणदीप सिंह सुरजेवाला, जॉन बिटास, प्रियंका चतुर्वेदी का कहना है कि सरकार द्वारा लाए जा रहे इस बिल का उद्देश्य सुप्रीम कोर्ट के मार्च 2023 के फैसले को कमजोर करना है।

इस विधेयक का विरोध करने के लिए विपक्षी सांसद प्रमोद तिवारी, जयराम रमेश, रणदीप सिंह सुरजेवाला, प्रियंका चतुर्वेदी, डेरेक ओ ब्रायन, सुशील कुमार गुप्ता, केसी वेणुगोपाल समेत अनेक सांसद सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वेल में आ गए।

हालांकि, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने राज्यसभा में गुरुवार को विपक्ष के तीखे विरोध के बावजूद चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी विधेयक पेश कर दिया है।

सरकार का यह विधेयक मुख्य न्यायाधीश को चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति की प्रक्रिया से बाहर करेगा।

देश पर कांग्रेस को अविश्वास, अपने घमंड में इनको जमीन नहीं दिखाई दे रही : पीएम मोदी

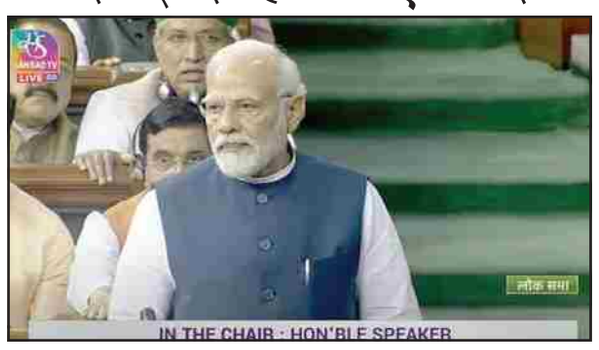

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेन्सी)। मणिपुर हिंसा को लेकर विपक्ष द्वारा केंद्र सरकार के खिलाफ संसद में लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जवाब दे रहे हैं। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि देश की जनता को कांग्रेस पर भरोसा नहीं है। लेकिन अहंकार के कारण वे हकीकत नहीं देख पा रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा, इनको (विपक्ष) भारत के सामर्थ्य पर विश्वास नहीं है। इनको भारत के लोगों पर विश्वास नहीं है। लेकिन इस सदन को बताना चाहता हूं कि इस देश का भी, भारत के लोगों का भी कांग्रेस के प्रति अविश्वास का भाव बहुत गहरा है। कांग्रेस अपने घमंड में इतनी चूर हो गई है कि उसे जमीन नहीं दिखाई दे रही है।

पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस अपने घमंड से इतनी चूर हो गई है कि उसे जमीन दिखाई तक नहीं देती। तमिलनाडु में वे 1962 में जीते थे और 61 वर्षों से तमिलनाडु के लोग कह रहे हैं कि कांग्रेस नो कॉन्फिडेंस। पश्चिम बंगाल में उन्हें आखिरी बार 1972 में जीत मिली थी, वे 51 साल से कह रहे हैं कांग्रेस नो कॉन्फिडेंस। यूपी, बिहार और गुजरात में उन्होंने 1985 में जीत हासिल की थी और उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात के लोग 38 साल से कांग्रेस को कह रहे हैं- नो कॉन्फिडेंस। त्रिपुरा के लोग भी 35 वर्षों से यही कह रहे हैं। ओडिशा में कांग्रेस को आखिरी बार 1995 में जीत मिली थी, यानी वहां भी 28 वर्षों से कांग्रेस को एक ही जवाब मिल रहा है- कांग्रेस नो कॉन्फिडेंस। नगालैंड के लोग भी 25 वर्षों से यही कह रहे हैं। जनता ने कांग्रेस के प्रति बार-बार नो कॉन्फिडेंस घोषित किया है।

पीएम की भविष्यवाणी- विपक्ष 2028 में फिर अविश्वास प्रस्ताव लाए, तब तक हम तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेन्सी)। लोकसभा में मोदी सरकार के खिलाफ विपक्ष की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर गुरुवार को चर्चा हो रही है। संसद में पीएम मोदी गुरुवार को कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि देश का ये विश्वास है कि जब 2028 में आप (विपक्ष) अविश्वास प्रस्ताव लेकर आएंगे तब भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में तीसरे नंबर पर होगी।

इससे पहले 2018 में विपक्ष मोदी सरकार के खिलाफ विश्वास प्रस्ताव लेकर आया था, तब अपने संसद में अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि विपक्ष 2023 में अविश्वास प्रस्ताव लेकर आएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 1990 में देश कंगाल होने की स्थिति में था। कांग्रेस के पिछले कार्यकाल में अर्थव्यवस्था 10, 11, 12 नंबर पर झूलती रही। लेकिन अब हमने शीर्ष-पांच में अपनी जगह बनाई। कांग्रेस के लोगों को लगता होगा कि ये जादू की छड़ी से हुआ है। मैं बताना चाहता हूं कि कठोर परिश्रम, निश्चित योजना और सुधारों, परिश्रम की पराकाष्ठा से हुआ है। आगे बोले कि 2028 में जब आप अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे, तब देश अर्थव्यवस्था में तीसरे नंबर पर होगा, यह हमारा विश्वास है। हमारे विपक्ष के मित्रों की फितरत में ही अविश्वास भरा पड़ा है। आगे निशाना साधते पीएम मोदी ने कहा कि हमने लाल किले से स्वच्छ भारत अभियान का आह्वान किया, लेकिन विपक्ष ने कहा कि कैसे हो सकता है, गांधी जी भी कहकर गए थे।

संसद में पीएम मोदी ने कहा कि हमने मां-बेटी को खुले में शौच पर जाने की मजबूरी से मुक्त करने के लिए शौचालयों पर जोर दिया, तब इन्होंने कहा कि क्या लाल किले से ऐसे विषय बोले जाते हैं? जनधन खाते के समय भी ऐसा ही कहा। हमने योग, आयुर्वेद की बात की तो उसका भी मखौल उड़ाया। कांग्रेस पार्टी और उनके दोस्तों का इतिहास रहा है कि उन्हें भारत पर और भारत के सामर्थ्य पर कभी भरोसा नहीं रहा। ये विश्वास किस पर करते थे? इनका पाकिस्तान से ऐसा प्रेम था कि उनकी बातों पर भरोसा कर लेते थे। पाकिस्तान कहता था कि हमले और बातचीत साथ चलेगी। ये मान लेते थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इनको (विपक्ष) भारत के सामर्थ्य पर विश्वास नहीं है। इनको भारत के लोगों पर विश्वास नहीं है। लेकिन इस सदन को बताना चाहता हूं कि इस देश का भी, भारत के लोगों का कांग्रेस के प्रति अविश्वास का भाव बहुत गहरा है। कांग्रेस अपने घमंड में इतनी चूर हो गई है कि उसे जमीन नहीं दिखाई दे रही है। साथ ही बोले मैं विपक्ष के साथियों के प्रति संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं। कुछ ही दिन पहले बंगलुरु में आपने मिल-जुलकर करीब 1.5-2 दशक पुराने यूपीए का क्रिया कर्म किया है, उसका अंतिम संस्कार किया है। लोकतांत्रित व्यवहार की मुताबिक मुझे आप लोगों को सहानुभूति व्यक्त करनी चाहिए थी।

आगे उन्होंने कहा कि मैंने संवेदना व्यक्त नहीं की क्योंकि आप लोग जश्न मना रहे थे। जश्न क्यों मना रहे थे क्योंकि आप लोग खंडहर पर ख्लास्टर लगा रहे थे। दशकों पुरानी खटारा गाड़ी को ईवी दिखाने के लिए कितना बड़ा मजबा लगाया था। आप (विपक्ष) जिसके पीछे चल रहे हैं उनको इस देश की जुबान, इस देश के संस्कार की समझ नहीं है। पीड़ी दर पीड़ी यह लोग लाल और हरी मिर्च में अंतर नहीं समझ पाए।

मुस्लिम शिक्षक के बयान पर भड़के सफाई कर्मियों ने सफाई की बंद

इंदौर, 10 अगस्त (एजेन्सी)। देश में सबसे स्वच्छ शहर के तौर पर अपनी पहचान बना चुके इंदौर में एक मुस्लिम शिक्षक के बयान ने एक इलाके के सफाई अभियान पर ब्रेक लगा दिया है।

सफाई कर्मचारियों ने मुस्लिम शिक्षक की गिरफ्तारी की मांग करते हुए सफाई काम को ही बंद कर दिया है।

दरअसल, इंदौर के चंदन नगर इलाके के एक मुस्लिम शिक्षक (हाफिज) शादाब खान का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ। जिसमें वह महिलाओं से सफाई कर्मचारियों को कचरा न देने की अपील कर रहा है। साथ ही सफाई कर्मचारियों को लेकर अनर्गल बातें भी कह रहा है।

सोशल मीडिया पर शादाब खान का वीडियो वायरल होने के बाद बाल्मीकि समाज के लोग भड़क उठे। उन्होंने थाने में पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। साथ ही शादाब खान की गिरफ्तारी की मांग की।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि हम किसी भी कीमत पर सफाई मित्रों का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे और ऐसे व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्रवाई करेंगे। साथ ही मामला भी पुलिस थाने में दर्ज करा दिया गया है।

मुस्लिम शिक्षक के बयान से नाराज सफाई कर्मचारियों ने गुरुवार को काम बंद रखा और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की।

वहीं, मुस्लिम शिक्षक शादाब खान ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर अपने वक्तव्य के लिए माफी मांगी, साथ ही कहा कि यह वीडियो उस समय का है, जब कोरोना फैला हुआ था और वह लोगों को बीमारी से बचने की सलाह दे रहे थे। उनके मुंह से कुछ ऐसे शब्द निकल गए, जो दूसरों को आहत करने वाले हैं, इसके लिए वह सभी से माफी मांगते हैं।

महुआ मोइत्रा ने 'फ्लाइंग किस' विवाद पर स्मृति ईरानी पर बोला हमला, कहा- आपके सांसद के बारे में क्या?

'यह अविश्वास नहीं, बल्कि विपक्षी इंडिया के लिए विश्वास प्रस्ताव'

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेन्सी)। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में विपक्ष द्वारा लाए गए पहले अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के तीसरे दिन गुरुवार को लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सांसद स्मृति ईरानी पर हमला किया। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी पर तंज कसते हुए कहा कि महिला पहलवानों से छेड़छाड़ और उत्पीड़न मामले में आरोपी भाजपा सांसद को लेकर उन्होंने (ईरानी) एक शब्द भी नहीं कहा और अब वह फ्लाइंग किस की बात कर रही हैं।

मोइत्रा का यह बयान लोकसभा में राहुल गांधी से जुड़े फ्लाइंग किस विवाद पर स्मृति ईरानी के बयान के एक दिन बाद आया। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को स्त्रियों से द्वेष रखने वाला व्यक्ति बताते हुए कहा था कि सदन में ऐसी घटना पहले कभी नहीं देखी गई। इस घटना को लेकर भाजपा की महिला सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की थी और राहुल गांधी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी।

भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह का नाम लिए बिना सांसद मोइत्रा ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, जब भाजपा के एक सांसद पर हमारी चैंपियन महिला पहलवानों से छेड़छाड़ और उत्पीड़न करने का आरोप लगता है, तब हम महिला एवं बाल विकास मंत्री से एक शब्द भी नहीं सुनते हैं और अब वह फ्लाइंग किस की बात कर रही हैं। महुआ मोइत्रा ने पूछा, आपकी प्राथमिकताएं कहां हैं मैडम?

ईरानी ने बुधवार को कहा था, संसद में पहले कभी किसी पुरुष का स्त्रीद्वेषी व्यवहार इतना स्पष्ट नहीं हुआ। जब लोगों का सदन, जहां महिलाओं की गरिमा की रक्षा के लिए कानून बनाए जाते हैं, एक सत्र के दौरान मनुष्य की स्त्रीद्वेष की झलक देखने को मिलती है। मेरा सवाल यह है कि क्या उसे कठघरे में खड़ा किया जाना चाहिए?

कांग्रेस ने इस पर पलटवार करते हुए कहा था कि राहुल गांधी नारे लगा रहे भाजपा सांसदों की ओर इशारा कर रहे थे। एक कांग्रेस नेता ने कहा, राहुल गांधी ने जाते समय सत्ता पक्ष की ओर फ्लाइंग किस का इशारा किया और उन्हें भाइयों और बहनों कहा। उन्होंने इसे किसी विशेष मंत्री या सांसद की ओर निर्देशित नहीं किया था और स्मृति ईरानी की ओर तो बिल्कुल भी नहीं।

टीएमसी सांसद मोइत्रा की टिप्पणी को भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर आरोपों के संदर्भ में देखा जा रहा है जिन पर महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न करने के आरोप लगे हैं। पुलिस ने सांसद के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

इससे पहले महुआ मोइत्रा ने लोकसभा में चर्चा के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री थोड़ी न आपकी बैठकर सुनेंगे। वे आखिरी दिन आएंगे और आपकी धज्जियां उड़ाकर जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि पीएम मोदी इस सदन में क्यों नहीं आते, जहां के लिए वे चुने गए हैं। यह सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नहीं है। यह विपक्षी इंडिया के लिए विश्वास प्रस्ताव है।

मोइत्रा ने कहा कि हम यहां अपने 'तुम अभी चुप रहो' गणतंत्र में सवाल पूछने आए हैं, जहां प्रधानमंत्री एक राज्यपाल से कहते हैं 'चुप रहो'। इस सदन में निर्वाचित सांसद के रूप में हमसे नियमित रूप से कहा जाता है 'चुप रहो'। यह प्रस्ताव मणिपुर में इस मौन संहिता को तोड़ने के लिए है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हमारी बात नहीं सुनेंगे, आखिरी दिन आकर भाषण देंगे। खैर कोई नहीं हमें इसका इंतजार है। हम इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण क्या है, हमारे प्रधानमंत्री ने संसद में आने से इनकार कर दिया या उन्होंने मणिपुर जाने से इनकार कर दिया।

डियर साप्ताहिक लॉटरी बीरभूम निवासी ने ₹ 1 करोड़ जीते

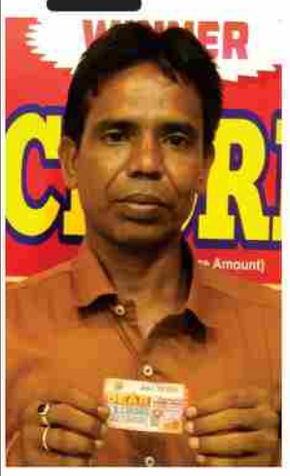

बीरभूम, पश्चिम बंगाल के श्री दुर्गा चरण दलुई ने 20.06.2023 को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर 66J 19196 है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज-क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। ''जीवन में एक करोड़पति बनना हरेक का सपना है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि कौन इसके लिए रास्ता और जरिया प्रदान करता है। हमें अपनी किस्मत आजमाने का केवल एक अवसर मिला है, जो हमें करोड़पति बनाता है। उसका नाम डियर लॉटरी है। इसके अलावा दुनिया में और कोई दूसरा रास्ता नहीं है।'' विजेता ने कहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com